मित्र समाचार

अंक 14 प्रकाशन 6 जून 2024

"फिर मैं क्या हूँ, जो उसे उत्तर दूँ, और बातें छाँट छाँटकर उससे विवाद करूँ?" अय्यूब 9:14

परमेश्वर हमारा धर्मी

न्यायी

आखिर मैं कौन हूँ - एकमात्र पापी

मैं क्या हूँ

2 शमूएल 7:18

प्रथम पंक्ति...

परमेश्वर की अदालत

हमारे देश में, हम लगातार सभी क्षेत्रों में अपराध के बारे में सुनते हैं, और हम देखते हैं कि अभियुक्त और अपराधियों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। हालाँकि, जिन्होंने धर्मी न्यायी यीशु मसीह को स्वीकार किया है, उन्हें निर्दोष जीवन जीने के लिए बुलाया गया है। शैतान का उद्देश्य पवित्र लोगों पर आरोप लगाना है, परन्तु यीशु मसीह पूरी लगन से उन सबकी रक्षा कर रहा है। दोनों स्वर्ग में परमेश्वर की अदालत में हमारी आत्माओं के लिए अथक प्रार्थना करते हैं। क्या हम इसकी कल्पना कर सकते हैं? प्रकाशितवाक्य 12:10 में, शैतान को भाईयों पर आरोप लगाने वाले के रूप में वर्णित किया गया है। हालाँकि, इफिसियों 4:14 के अनुसार, यीशु, महान महायाजक, हमारे लिए मध्यस्थता करता है, जैसा कि रोमियों 8:34 में कहा गया है। दोनों पक्ष हमारे धर्मी न्यायी के सामने अपने मामले पेश करते हैं। शैतान परमेश्वर के सामने हमारे पुराने पापी जीवन के बारे में कई आरोप लगाता है। अय्यूब 1:9–11 में, हम देखते हैं कि शैतान ने अय्यूब पर कैसे आरोप लगाया। हम उसके खिलाफ खुद का बचाव नहीं कर सकते क्योंकि, अक्सर, वह हमारे बारे में सही होता है। हम कानून से बाहर रहते हैं और इसलिए सजा के हकदार हैं। वह हम पर वैसे ही आरोप लगाता है जैसे उसने अय्यूब पर लगाया था।

इसके विपरीत, पिता के सामने महिमामंडित यीशु मसीह अपने हाथ, पैर और सिर पर लगे निशान दिखाते हैं, यह पुष्टि करते हुए कि सब कुछ समाप्त हो गया है और पाप की सजा पूरी तरह से चुकाई जा चुकी है। पिता, जो अपने बेटे, यीशु से प्रेम करता है, वह हमसे भी प्रेम करता है, जो उसके संतान हैं, जो उसके खून से पवित्र किए गए और धर्मी बनाए गए हैं। चाहे शैतान कितना भी आरोप लगाए और न्याय के लिए चिल्लाए, परमेश्वर ने अपना न्याय किया है क्योंकि उसके अपने पुत्र ने हमारी सजा भुगती है। यीशु मसीह हमें आशीर्वाद देने के लिए पिता से विनती करता है, अपने दर्द पर जोर देता हैं, जबकि शैतान हमें अपराधबोध में ढ़केलने और यीशु के बलिदान के महत्व को कम करने का प्रयास करता है।

यह धर्मी न्यायाधीश हमें शास्त्रों के अनुसार न्याय करेगा, जैसा कि यूहन्ना 12:48 में बताया गया है। उसकी धार्मिकता सभी पर लागू होती है, जैसा इब्रानियों 9:27 में बताया गया है। उसका सिंहासन न्याय द्वारा स्थापित है भजन 89:14। हमारा परमेश्वर एक निर्दयी न्यायाधीश नहीं है, बल्कि वह ऐसा न्यायाधीश है जो हमारी ओर से न्याय करता है। शास्त्रों के अनुसार, दोषी को दण्डित नहीं किया जाएगा, और हमें कलवरी पर अपना न्याय मिलता है। हम कौन हैं और इस धर्मी न्यायाधीश के सामने हमारी धार्मिकता क्या है? हमारी धार्मिकता सिर्फ एक मैला वस्त्र है, हमारी धार्मिकता का सबसे महत्वपूर्ण कारण यीशु मसीह की अनमोल धार्मिकता है, जो हमें मुफ्त में दी गई है।

हमें अपने देश के लोगों को यह पवित्र सुसमाचार सुनाने के लिए बुलाया गया है ताकि हम भी धर्मी न्यायाधीश के सामने धर्मी साबित हों और बहुतों को धर्मी बना सकें। प्रभु, जो हमें हर उस आत्मा के लिए उत्तरदायी ठहराएगा जो हमारे सामने आती है, एक धर्मी न्यायाधीश के रूप में वापस आएगा। क्या हम खाली हाथ खड़े रहेंगे ?

— **मर्सी सेल्विन** *(संचार विभाग)*

भविष्य में मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी जो उसके प्रगट होने प्रिय जानते हैं।
– 2तीमुथियुस 4:8

हमारा परमेश्वर न्याय करने में धर्मी और क्षमा करने में पर्याप्त दयालु है।
– केविन डेयोंग

क्योंकि परमेश्वर सब कामों और सब गुप्त बातों का, चाहे वे भली हों या बुरी, न्याय करेगा।
– सभोपदेशक 12:14

प्रत्येक दिन का मूल्यांकन उस फसल से न करें जो आप काटते हैं, परन्तु उन बीजों से करें जो आप बोते हैं।
– रॉबर्ट लुई स्टीवेन्सन

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साक्षा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतुष्टि सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ. एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिस
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ:एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur, Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की मेज से...

अपहुचों तक सुसामचार को पहुँचाने में सहभागी प्रिय सहभागियों,

9 जून 1967 को तत्कालीन धर्मपुरी जिले में स्थित बेट्टामुगिलालम का घना जंगल वाला गाँव, में पहले मिशनरी ने कदम रखा जहाँ से एक मिशनरी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। परमेश्वर ने उस छोटे से कदम को मिशन के इतिहास में एक बड़ी छलांग के रूप में अज्ञात बना दिया। आज परमेश्वर ने उस छोटे से कदम को आशीष दी और हमारे प्यारे देश के 24 राज्यों में 1000 से अधिक मिशनरियों और प्रचारकों को पहुँचाया।

1कुरिन्थियों 1:17ब & 23

17ब वरन् सुसमाचार सुनाने को भेजा है, और यह भी शब्दों के ज्ञान के अनुसार नहीं, ऐसा न हो कि मसीह का क्रूस व्यर्थ ठहरे। 23 परन्तु हम तो उस क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह का प्रचार करते हैं, जो यहूदियों के लिए ठोकर का कारण अन्य जातियों के लिए मुर्खता है।

परमेश्वर ने FMPB को लोगों को सुसमाचार प्रचार करने के लिए भेजा, जिसकी शुरुआत 9 जून 1967 को हमारे पहले मिशन क्षेत्र में हुई। परमेश्वर ने हमें इन कई वर्षों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए हमारा मार्गदर्शन किया न कि बुद्धि और ज्ञान के साथ।

बुद्धि और वाक्पटुता के साथ सुसमाचार का प्रचार करना मसीह के क्रूस की शक्ति को नष्ट कर देता है। सेवकाई की सफलता मानवीय बुद्धि पर आधारित नहीं है, बल्कि मसीह के क्रूस की शक्ति पर आधारित है। हमने क्रूस पर चढ़ाए गए मसीह का जो प्रचार किया, वह गैर–यहूदियों के लिए मूर्खता हो सकती है। प्रभु जो पिछले 57 वर्षों से क्रूस की शक्ति के साथ सुसमाचार का प्रचार करने के लिए हमारा मार्गदर्शक प्रकाश रहे हैं, हमें उपरोक्त सत्य के आधार पर अपना मिशन जारी रखने में मदद करे, जब तक कि सभी भारतीय मसीह को स्वीकार न कर लें।

पेरियामलाई में सीसीसी कार्यशाला

पेरियामलाई में दक्षिणी क्षेत्र के मिशनरियों के लिए 5 दिवसीय क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला जन आंदोलन बनाने के लिए सांस्कृतिक रूप से निहित सेवकाई करने का एक शानदार अनुभव था।

मोबिलाइजेशन सचिवों की परिवारिक सभा

मोबिलाइजेशन सचिवों और अवैतनिक सचिवों के पारिवारिक सम्मेलन का वार्षिक आयोजन 27 और 28 अप्रैल 2024 को सी.एस.आई. रिट्रीट सेंटर, कन्याकुमारी में हुआ। कार्यक्रम में लगभग 250 सचिवों और उनके परिवारों ने भाग लिया।

केरल राज्यस्तरीय सम्मेलन 2024

केरल राज्यस्तरीय सम्मेलन 27 और 28 अप्रैल 2024 को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में

आयोजित किया गया था। मैं 27 तारीख की शाम को सभा में शामिल हुआ था। आयोजकों ने बैठक की व्यवस्था की सुंदर गायन और मिशन क्षेत्र का साझाकरण प्रतिभागियों के लिए चुनौतीपूर्ण था।

खंडवा क्षेत्र का दौरा

परमेश्वर ने मुझे 3 और 4 मई को खंडवा क्षेत्र के मिशनरियों से मिलने का मौका दिया, साथ ही अंचलीय और क्षेत्रीय सचिवों से भी। मिशनरी परिवारों के साथ बातचीत बहुत मददगार और आशीर्वादपूर्ण रही।

सितारा क्षेत्र का क्षेत्रीय दौरा

5 और 6 तारीख को मैंने सितारा क्षेत्र के मिशनरियों के घरों का दौरा किया। 5 तारीख को मैंने प्रभु की आराधना में विश्वासियों के साथ शामिल हुआ। मिशनरी पूरी ईमानदारी से प्रभु की सेवा कर रहे हैं।

प्रबंधन समिति

प्रबन्ध समिति की बैठक 11 मई 2024 को हुई। परमेश्वर ने हमें सेवकाई के लिए उचित निर्णय लेने में हमारा मार्गदर्शन किया।

जून 2024 में होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें

मुख्यालय निवर्तन

मुख्यालय के कर्मचारियों का निवर्तन कार्यक्रम मई 30 को रखा गया है। कृप्या इस कार्यक्रम के लिए प्रार्थना करें कि यह सभा मुखयालय के कार्यकर्ताओं को आध्यात्मिक ताजगी प्रदान करे।

अरुणाचल प्रदेश में कार्यकारी समिति की बैठक

218वीं कार्यकारी समिति की बैठक 7 और 8 जून को अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन में होने जा रही है और 9 जून को कार्यकारी समिति के सदस्य असम के क्षेत्रीय दौरे पर जाएंगे। कृपया प्रार्थना करें कि परमेश्वर यात्रा और बैठक को आशीष प्रदान करे।

आइज़्वाल, मिजोरम में वैश्विक मिशन शिखर सम्मेलन

11 जून से 14 जून तक आइज़्वाल, मिजोरम में ग्लोबल मिशन शिखर सम्मेलन की योजना बनाई गई है। परमेश्वर की ईश्वर की इच्छा से, मैं इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने की योजना बना रहा हूँ। कृपया प्रार्थना करें कि यह शिखर सम्मेलन प्रतिभागियों को इस देश में सुसमाचार को पहुँचाने के लिए प्रेरित करे।

प्रभागीय प्रमुखों की बैठक

हमने 18 और 19 जून को विभागीय सचिवों की दो दिवसीय उपवास प्रार्थना की योजना बनाई है। उसके बाद 20 और 21 जून को 2 दिवसीय योजना बनाई जाएगी। योजना बनाने में परमेश्वर के मार्गदर्शन के लिए आपकी प्रार्थनाओं की सराहना की जाती है।

कन्याकुमारी के सेयनामविलई में कलीसियाई सभा

कन्याकुमारी जिले में सी.एस.आई. चर्च सेनमविलई वह जगह है जहाँ मैं मसीह में पला–बढ़ा हूँ। मसीह के साथ मेरे रिश्ते की बुनियादी बातें इसी चर्च में बनीं और चर्च ने मेरी आध्यात्मिक यात्रा में अहम भूमिका निभाई। मुझे 30 जून को रविवार की सेवा और पुरुषों की संगति में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है।

जाँच समितियाँ

संगठन को पमेश्वर से अपने चुने हुए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा नई कार्यकारी समिति प्रदान करने की प्रतीक्षा है। पदाधिकारियों की पहचान करने के लिए गठित समितियाँ प्रार्थनापूर्वक उस पर काम कर रही हैं। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि सितंबर के अंत तक ईमानदारी से और लगातार प्रार्थना करें ताकि ईश्वर के चुने हुए लोगों को संगठन की यात्रा में अपनी भूमिका निभाने के लिए पदों पर

नियुक्त किया जा सके।

बच्चों की उच्च शिक्षा

12वीं कक्षा का परिणाम आ चुका है और बच्चे अपने माता–पिता के साथ मिलकर अपनी अगली पढ़ाई की तैयारी कर रहे होंगे। हम आप सभी को अपनी प्रार्थनाओं में याद कर रहे हैं कि परमेश्वर हमें आपके अनुसार पाठ्यक्रम प्रदान करें। उनकी इच्छा जो बच्चों के लिए अच्छी है, जीवित है। हमारे मालतो छात्रावास की लड़कियों ने 12वीं कक्षा की परीक्षा में 100% परिणाम प्राप्त किए हैं। हम परमेश्वर के इस अद्‌भुत कार्य के लिए उनकी स्तुति करते हैं और मिशनरियों और शिक्षकों तथा बच्चों को उनके उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई देते हैं।

नई केन्द्र सरकार का गठन

देश 4 जून को चुनाव नतीजों का इंतजार कर रहा है। परमेश्वर चाहता है कि हम बिना किसी संघर्ष के उनकी पसंद की सरकार के गठन के लिए प्रार्थना करें। हम आपके निरंतर प्रार्थनापूर्ण समर्थन की सराहना करते हैं। हम आप सभी को अपनी प्रार्थनाओं में याद करते हैं।

परमेश्वर की सेवा में आपका साथी सेवक

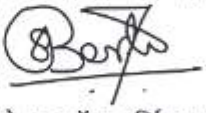

रेव्ह. जॉन बर्लिन एस.

मिशनटी समर्पण — दिल्ली

परमेश्वर की असीम कृपा से, 5 मई 2024 को हमारे पूर्व उपाध्यक्ष और दिल्ली सी.एन.आई. डायोसीस के बिशप, महामान्यवर रेव्ह. पॉल स्वरूप द्वारा नई दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ रिडेम्पशन में तमिल आराधना के दौरान 10 मिशनरियों को उसके राज्य के लिए समर्पित किए गए। चर्च के निकटवर्ती संसाधन केंद्र हॉल में आयोजित बैठक में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रमे में हमारे बिशप स्वामी ने परमेश्वर का वचन सुनाया। फिर, हमारे विभागीय सचिव, रेव्ह. रॉबिन्सन, श्री नबा सिंह और श्री नेहेमिया ने अपने अपने सेवकाई के अनुभवों को साझा किया। सभी मिशनरियों को प्रायोजकों द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती झाँसी रॉबिन्सन ने एफ.एम.पी.बी. की जरूरतों के बारे में बताया और एक्शन ऑवर का नेतृत्व की। परमेश्वर की स्तुति करें कि हमारा समर्थक अपनी प्रार्थनाओं और भेंटों के माध्यम से हमारे मिशनरियों को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कार्यक्रम कलीसिया के सदस्यों के लिए एफ.एम.पी.बी. और उसके मिशनरी कार्य के बारे में जानने के लिए लाभदायक थी। सारी महिमा परमेश्वर को मिले!

श्री साम राज डी, प्रोमोशनल सेक्रेटरी – दिल्ली एन.सी.आर.

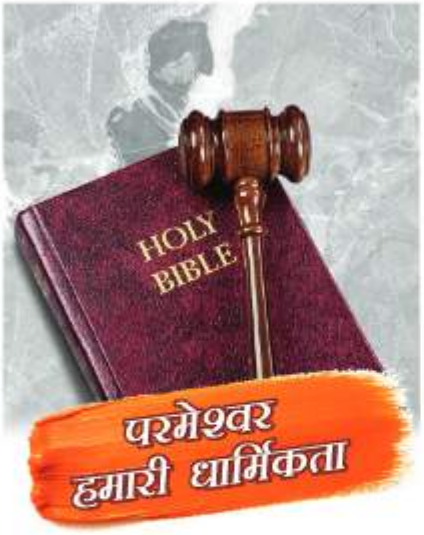

"हमारी दुनिया में, अन्याय व्याप्त हो सकता है, जिससे हमें यह सवाल उठता है कि हमारे जीवन और समुदाय में अन्याय क्यों मौजूद है। फिर भी, इन चुनौतियों के बीच, हमें याद रखना चाहिए कि एक धर्मी न्यायाधीश है जो सब कुछ देखता है और अंततः न्याय लेकर आएगा। उसका एक नाम "यहोवा सीतकेनू" है, जिसका अर्थ है 'धर्मी परमेश्वर' यिर्मयाह 23:5–6 में लिखा है, "यहोवा की यह वाणी है: देख ऐसे दिन आते हैं जब मैं दाऊद के कुल में एक धर्मी अंकुर उगाऊँगा, और और वह राजा बनकर बुद्धि से राज्य करेगा, और अपने देश में न्याय और धर्म से प्रभुता करेगा। उन दिनों में यहुदी लोग बचे रहेंगे, और इस्राएल लोग निडर बसे रहेंगे। और यहोवा उसका नाम "यहोवा हमारी धार्मिकता" रखेगा। हाँ, हमारा प्रभु अपने सभी कार्यों में धर्मी है। वह धर्मी न्यायाधीश है। इसलिए उन्हें यहोवा नाम से भी जाना जाता है– शापात का अर्थ दो हिब्रू शब्दों, "यहोवा" और "शापात" से लिया गया है। यहोवा का अर्थ है "स्वयं–अस्तित्व वाला, मैं हूँ," जबकि शापात का अर्थ है "न्याय करना, किसी की रक्षा करना।" यह आश्वासन हमें याद दिलाता है कि आज भी, हमारे जीवन की देखरेख करने वाला एक धर्मी न्यायाधीश है।"

प्रत्येक के लिए धर्मी न्यायाधीश :

अय्यूब की पुस्तक उन विश्वासियों के लिए बहुत महत्व रखती है जो विपत्ति का सामना कर रहे होते हैं। इसकी कहानी कठिन समय के दौरान गहन प्रोत्साहन, आशा और साहस प्रदान करती है। अय्यूब 9:14–15 में अय्यूब का संवाद इस बात को दर्शाता है सार है, जो अपार पीड़ा के बावजूद न्याय और समझ के लिए गहरी लालसा व्यक्त करता है। अपनी धार्मिकता के बावजूद, अय्यूब अपनी दुर्दशा का बोझ महसूस करता है और निष्पक्ष न्याय की लालसा करता है। अय्यूब के बारे में प्रभु की गवाही एक धर्मी व्यक्ति के रूप में है जो परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है, अय्यूब की ईमानदारी और भक्ति को मजबूत करता है (अय्यूब 1:8)। परमेश्वर के गुणों के बारे में अय्यूब की गहन समझ सृष्टि पर परमेश्वर की बुद्धि, शक्ति और संप्रभुता की उसकी स्वीकृति में स्पष्ट है (अय्यूब 9:4–13)। •उसकी बुद्धि गहन है। •उसकी शक्ति अपार है •वह अनजाने में पहाड़ों को हिला देता है और अपने क्रोध में उन्हें उलट देता है •वह पृथ्वी को उसके स्थान से हिला देता है और उसके खम्भों को कँपा देता है •वह सूर्य से बात करता है और यह चमकता नहीं है •वह तारों की रोशनी को बंद कर देता है •वह अकेला ही स्वर्ग को तानता और समुद्र की लहरों पर चलता है •वह भालू और मृगतृष्णा, प्लीएडेस और दक्षिण के तारामंडलों का निर्माता है •वह ऐसे आश्चर्यकर्म करता है जिनकी थाह नहीं ली जा सकती, ऐसे चमत्कार जिन्हें गिना नहीं जा सकता। अय्यूब जानता है कि ऐसा सर्वशक्तिमान परमेश्वर एक धर्मी न्यायाधीश है, इसलिए वह कहता है, मैं कौन हूँ, कि मैं परमेश्वर को उत्तर देने या यहाँ तक कि उसके साथ तर्क करने का प्रयास करूँ? वह स्वयं को परमेश्वर की दृष्टि में बहुत कम देखता है, इसलिए अपने परीक्षणों के बावजूद उसके दिव्य न्याय पर भरोसा करता है। अय्यूब का उदाहरण हमें सांसारिक प्रणालियों के बजाय परमेश्वर के

न्याय में शरण लेने की शिक्षा देता है, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर सभी चीजों की जाँच करता है और अपने सही समय पर न्याय करता है। जैसे परमेश्वर ने दानिय्येल और यूसुफ जैसे व्यक्तियों को उनकी परीक्षा के समय में न्याय दिया, वैसे ही हमें भी परमेश्वर के धर्मी न्याय में अपना भरोसा रखने के लिए कहता है। यह आश्वासन हमें परमेश्वर के आलिंगन में विश्राम और शक्ति पाने की अनुमति देता है, यह जानते हुए कि वह हमारी परिस्थितियों को देखता है और हमारे लिए न्यायपूर्ण तरीके से कार्य करेगा।

परिवारों के लिए धर्मी न्यायाधीश :

परमेश्वर ने दाऊद, एक राष्ट्र के राजा, एक आराधना नेता जो परमेश्वर जिसको अपने मन के अनुसार जाना जाता था, एक साधारण नागरिक उरिय्याह के परिवार के साथ किए गए अन्याय के बारे में पूछताछ की। मृत उरिय्याह के लिए मध्यस्थता करने, याचना करने या न्याय मांगने वाला कोई नहीं था। परन्तु हम 1शमूएल 12:10–18 में पढ़ते हैं कि परमेश्वर अंधा नहीं था और उसने सही समय पर दाऊद की गलती को इंगित किया और उरिय्याह के परिवार के लिए न्याय किया। भजन 9:8 में हम परमेश्वर, धर्मी न्यायी के बारे में पढ़ते हैं, कि वह पृथ्वी का न्याय धर्म से करेगा और सभी लोगों के साथ न्याय करेगा। भजन 96:13 में लिखा है कि वह पृथ्वी का न्याय करने आ रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वह एक ऐसा परमेश्वर है जो परिवारों का न्याय करता है।

राष्ट्रों का धर्मी न्यायाधीश :

परमेश्वर ने इस्राएल राष्ट्र को चुना और उससे प्रेम किया (व्यवस्थाविवरण 7:6)। परन्तु जब उस राष्ट्र ने परमेश्वर के प्रेम की उपेक्षा की और उससे दूर चला गया, तो परमेश्वर ने उसे अपने पास वापस लाने की कोशिश की। जब इस्राएल ने परमेश्वर से मेल–मिलाप नहीं किया, तो उसने उसे चेतावनी दी और संघर्ष किया और फिर दंडित किया और अपने न्याय को प्रकट किया (यहेजकेल 5; 20:8; हम यशायाह 1 जैसे अंशों में पढ़ते हैं)। हम उसी ईश्वर के बारे में पढ़ते हैं जिसने राष्ट्रों को दंडित किया जब राष्ट्रों ने इस्राएल पर हमला किया और उन्हें रोका, 1शमूएल 15 में अमालेकियों, आमोस की पुस्तक में सात राष्ट्रों, और यहेजकेल जैसी कई पुस्तकों में हम देखते हैं कि उसने कई राष्ट्रों का न्याय किया। हमारा परमेश्वर सारी पृथ्वी का राजा है और एक धर्मी न्यायी के रूप में राष्ट्रों का न्याय करेगा। यशायाह 2:4;भजन 110:6।

समस्त संसार के लिए न्यायाधीश :

उत्पत्ति 18:25 में लिखा है, "इस प्रकार का काम करना तुझ से दूर रहे कि तू दुष्टों के संग धर्मी को भी मार डाले, और धर्मी और दुष्ट दोनों की एक ही दशा हो। यह तुझसे दूर रहे। क्या सारी पृथ्वी का न्यायी न्याय न करे?" यहाँ हम देखते हैं कि हमारे पूर्वज अब्राहम परमेश्वर से विनती करता है, क्योंकि वह सारे संसार का न्यायी है। व्यवस्था के अनुसार बिना खून बहाए पापों की क्षमा नहीं होती। इसलिए एक निष्कलंक व्यक्ति मेम्ने को बलि के रूप में चढ़ाया जाना चाहिए। एक धर्मी न्यायी के रूप में, हमारे परमेश्वर ने अपने स्वयं के पुत्र को एक निर्दोष बलिदान के रूप में दिया और न्यायपूर्वक क्रूस पर पूरी कीमत चुकाई और व्यवस्था को पूरा किया और हमें पाप और अधर्म से मुक्त किया और अपने लहू पर विश्वास दिलाकर हमें धर्मी बनाया और प्रमाणित किया कि वह पूरे संसार का धर्मी न्यायी है।

परमेश्वर जो हमारे लिये मध्यस्थता करता है :

परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह हमारे और पिता के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जबकि पिता धर्मी न्यायाधीश है (1यूहन्ना 2:1; इब्रानियों 7:25) 1तीमुथियुस 2:5 कहता है, क्योंकि परमेश्वर ही एक है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है। हम पाप और

अधर्म में थे, इसलिए हमें दोषी ठहराया गया। परन्तु यीशु मसीह ने हमारे मध्यस्थ के रूप में कार्य किया और हमारे पापों और अधर्मों को क्रूस पर ले लिया और रोमियों 8:34 के अनुसार पिता के साथ हमारा मेल–मिलाप कराया। प्रेरितों के काम 10:42 में हम पतरस को यह गवाही देते हुए देख सकते हैं कि यीशु मसीह ही परमेश्वर द्वारा जीवितों और मृतकों के लिए नियुक्त न्यायी है। इसलिए, हम यीशु मसीह के लहू के द्वारा छुड़ाए गए और धर्मी बनाए गए हैं। परन्तु हमें याद रखना चाहिए कि हमारे सभी धार्मिक कार्य केवल मैले चिथड़ों के समान हैं। हम न केवल छुड़ाए गए हैं बल्कि हमें पुरस्कृत भी किया जाएगा यदि हम इस न्यायाधीश को प्रसन्न करने योग्य जीवन जीते हैं। 2तीमुथियुस 4:8 में, प्रेरित पौलुस हमें एक बड़ी आशा देतु हुए कहता है, "भष्यि में मेरे लिए धार्मिकता का मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा, और मुझे ही नहीं, वरन उन सब को भी जो उसके प्रकट होने को प्रिय जानेते हैं। धर्मी न्यायाधीश जल्द ही पूरी दुनिया का न्याय करने के लिए फिर से आएगा। "देखो, मैं शीघ्र आने वाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिए प्रतिफल मेरे पास है।" (प्रकाशितवाक्य 22:12)। क्या हम इसके लिए तैयार हैं?आईए हम खुद को और अधिक व्यस्त रखें और उसके लिए और अधिक काम करें, ऐसे शक्तिशाली परमेश्वर, धर्मी न्यायाधीश को उन लोगों के पास ले जाने के कार्य में जो पाप, अभिशाप, मृत्यु के भय, बीमारी, अज्ञानता और गुलामी में फंसे हुए हैं और उन्हें फिर से आने वाले न्यायाधीश को देखने के लिए तैयार करें। तैयार रहें और दूसरों को इस धर्मी न्यायाधीश से मिलने के लिए तैयार करें" – आमीन।

— **श्रीमती स्टेला आनंद** – एफ.एम.पी.बी. मुख्यालय

मसीह में प्रिय प्रार्थना सहभागियों!

9 जून 1967 को पेर्तमुकिलालम में हमारे संगठन का पहला मिशन क्षेत्र स्थापित हुआ। इसकी शुरुआत पेरियामलाई नामक गांव से हुई थी। आगामी 8 और 9 जून (शनिवार और रविवार) को तमिलनाडु क्षेत्र के कार्यकर्ता पेरियामलाई परिसर में एकत्रित होने की योजना बना रहे हैं। इस धन्यवाद सभा में भाग लेने की योजना बनाएँ।

हम आप सभी के योगदान के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जो मिशनरी कार्य के लिए जा रहे हैं और मिशनरियों को भेज रहे हैं तथा संगठन के आदर्श वाक्य "जाओ या भेजो" को अपना आधार मानकर समर्थन दे रहे हैं। परमेश्वर ने हमें ऐसे दर्शन और योजनाएँ दी हैं जिनसे हम उन भारतीयों से मिल सकें जो बहुभाषी हैं तथा जिनके पास कई महान

संस्कृतियाँ हैं, जिनकी मुलाकात यीशु मसीह के सुसमाचार से नहीं की गई है।

पेरियामलाई पहला मिशन क्षेत्र है जो एक प्रार्थना समूह के रूप में शुरू हुआ और कुछ मित्रों द्वारा इसे एक सुसामचार आंदोलन में विकसित हुआ। इस विनम्र शुरुआत को कौन अनदेखा कर सकता है? तदनुसार, प्रति वर्ष हम 9 जून को पेरियामलाई दिवस के रूप में स्मरण करते हैं और परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।

सुसमाचार प्रचार सेवा जो एक पहाड़ी व्यक्ति के तड़पते हुए सवाल "क्या आप हमारे साथ रहेंगे और यीशु मसीह का प्रचार करेंगे?" सुनने के बाद 1967 में एक बहुत पिछड़े गाँव में शुरू हुआ अब भारत के 24 राज्यों में फैल चुका है। 9 जून को, पेरियामलाई मिशन 57 साल पूरे कर लेगा और यह 45 चर्चों के साथ डेंकनीकोट्टई क्षेत्र में होगा। यहाँ इरुलर, लिंगायत, आदि जैसे कई जातीय लोग रहते हैं। द्रविड़, अरुंधथियार, वन्नियार और वेल्लालर जैसे लोगों ने सुसमाचार सुनकर उद्धार पाए हैं और कलीसिया में परमेश्वर की बआराधना करते हैं। परमेश्वर ने अपने चमत्कारों और अद्भुत कार्यों के द्वारा सभी को दुष्ट के चंगुल से मुक्त किया है, उनक सबका मन खोला है, पाप से मुक्ति प्रदान की है, और उन्हें परमेश्वर के साथ रहने के लिए ऊपर उठाया है और आध्यात्मिक स्वास्थ्य और समाज में अच्छी पहचान दी है। आज, हमारे विश्वासियों ने चार पीढ़ियों से मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है और अपने क्षेत्रों में गवाह के रूप में जीवन जी रहे हैं और यीशु का प्रचार कर रहे हैं। हमारे पेरियामलाई क्षेत्र के हमारे विश्वासियों के 27 से अधिक बच्चे हमारे संगठन और अन्य संगठनों के माध्यम से उत्तरी भारत में परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं। 55 से अधिक लोग हैं जो स्थानीय प्रचारकों के रूप में हमारे साथ काम कर रहे हैं।

पेरियामलाई में जो सेवा 1967 में शुरू हुआ था वह तमिलनाडु क्षेत्र में विकसित हो चुका है और तीन क्षेत्रों में काम कर रहा है। डेंकनीकोट्टई क्षेत्र को स्वशाषित बना दिया गया है और कलीसियाएँ अपने क्षेत्र में काम कर रही हैं। यहाँ आवकाशकालीन बाइबल स्कूल आत्मनिर्भर है, जो सामूहिक आयोजनों, सुसमाचार प्रचार और स्वदेशी श्रमिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संगठन की सहायता पर निर्भर नहीं है। यहाँ के विश्वासी हमारे आंदोलन में भागीदार हैं जो मिशनरियों और क्षेत्र के बच्चों को उनकी प्रार्थना और आर्थिक रूप से समर्थन देते हैं।

नेतृत्व प्रशिक्षण केंद्र में तीनों क्षेत्रों के मिशनरियों का औपचारिक प्रशिक्षण, प्रार्थना समूह के सदस्यों की उपवास प्रार्थना और कई अन्य प्रशिक्षण हो दिए जा रहे हैं। 2030 तक, हमारी योजना 4,40,000 लोगों को सुसमाचार सुनाना, 880 गाँवों में सुसामचर सुनाना, 88 आराधना समूहों का गठन करना, 44 चचा का निर्माण करना, सुसमाचार सुनाने के लिए 22 स्थानीय प्रचारकों और 22 पूर्णकालिक मिशनरियों को तैयार करना और 4,400 लोगों को मसीह के झुण्ड में शामिल करना है। कृपया इसके लिए प्रार्थना करें।

यशायाह 2:3 बहुत से देशों के लोग आएंगे, और आपस में कहेंगे: आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढ़कर, याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं; तब वह हम को अपने मार्ग सिखाएगा, और हम उसके पथों पर चलेंगे।" क्योंकि यहोवा की व्यवस्था सिय्योन से, और उसका वचन यरूशलेम से निकलेगा।

– रेव्ह. टी. एल्बिन
मोबिलाइजेशन सचिव – कन्याकुमारी क्षेत्र

परमेश्वर का नाम

यहोवा–शापातः यहोवा–शापात नाम का अर्थ दो हिब्रू शब्दों, "यहोवा" और "शापात" से लिया गया है। यहोवा का अर्थ है "स्वयं–अस्तित्व वाला, मैं हूँ,"जबकि शापात का अर्थ है "न्याय करना, किसी मामले की पैरवी करना।" जब ये दोनों शब्द एक साथ आते हैं, तो वे यहोवा– शापात नाम बनाते हैं, जिसका अर्थ है "परमेश्वर हमारा न्यायी" हो जाता है। इसलिए, यह नाम ईश्वर के गुणों में से एक है जो ईश्वरीय न्यायाधीश के रूप में उनकी भूमिका को दर्शाता है। बाइबिल परमेश्वर द्वारा न्याय किए जाने की कहानियों से भरी पड़ी है, जिसमें गोलियत जैसे दिग्गजों को नीचे गिराने से लेकर इस्राएलियों के उत्पीड़कों को दंडित करना शामिल है। ईश्वर का न्याय मनमाना नहीं है, बल्कि हमेशा एक उद्देश्य की पूर्ति करता है। इसके अलावा, यहोवा शापात न केवल एक न्यायाधीश है, बल्कि उत्पीड़ितों का रक्षक भी है। हम इसे निर्गमन 3:7 में देखते हैं, जहाँ वह इस्राएलियों को उनके उत्पीड़कों से बचाने का वादा करता है।

इसके अलावा, परमेश्वर का न्याय धर्मी और निष्पक्ष है। इसका मतलब है कि वह न केवल कार्यों के आधार पर बल्कि उन कार्यों के पीछे के उद्देश्यों के आधार पर भी न्याय करता है। परमेश्वर मामले के मूल कारणों को देखता है। इसलिए, एक मसीही के रूप में हम इस बात का भरोसा कर सकते हैं कि जब हमारी समस्या परमेश्वर के सामने आएगा, तो वह धार्मिकता से न्याय करेगा। इसके अतिरिक्त, यहोवा– शापात नाम हमें याद दिलाता है कि न्याय को हमें अपने हाथों में लेने की जरूरत नहीं है। मसीही होने के नाते, हमें अपने पड़ोसियों को यहाँ तक कि उन लोगों को भी जिन्होंने हमारे साथ गलत किया है माफ करने और उनसे प्रेम करने के लिए कहा जाता है, इस बात पर भरोसा करें कि परमेश्वर हमारा न्यायाधीश है, हमें बदला लेने की जरूरत को छोड़ने और अपने दुश्मनों से प्रेम करने की अनुमति देता है, जैसा कि मत्ती 5:44 में यीशु ने निर्देश दिया है।

अंत में, यहोवा– शापात हमें अंतिम न्याय के लिए आशा प्रदान करता है। मसीही होने के नाते, हम मानते हैं कि एक दिन ऐसा आएगा जब सभी चीजें सही हो जाएंगी, और धर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा जबकि दुष्टों को दंडित किया जाएगा। यहोवा– शापात में विश्वास करने से हम आज की दुनिया में अन्याय के बावजूद भी इस आशा को बनाए रख सकते हैं। निष्कर्ष में, यहोवा– शाफात सिर्फ एक नाम से कहीं ज्यादा है; यह ईश्वर का एक गुण है जो हमारे न्यायाधीश और रक्षक के रूप में उनकी भूमिका को दर्शाता है। यह गुण हमें अन्याय के सामने आशा देता है और हमें स्मरण दिलाता है कि हमें किसी भी मामले को अपने हाथों में लेने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, हम परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं कि वह न्याय करेगा और अपने सही समय पर न्याय करेगा। मसीही होने के नाते, आईए हम यहोवा– शाफात के नाम और आने वाले न्याय प्रतिज्ञा में सांत्वना पाएँ।

यहोवा– सिदकेनु:

यहोवा– सिदकेनु नाम बाइबल में सिर्फ एक बार यिर्मयाह 23:6 में पाया जाता है। इस अंश में, भविष्यवक्ता मसीहा के आने के बारे में भविष्यवाणी करता है: "उनके दिनों में यहूदी लोग बचे रहेंगे, और इस्राएल निडर बसे रहेंगे। और यहोवा उसका नाम "यहोवा हमारी धार्मिकता" रखेगा। यह नाम अपने आप में दो हिब्रू शब्दों से बना एक मिश्रित शब्द है: यहोवा, परमेश्वर का व्यक्तिगत नाम, और सिदकेनु, जिसका अर्थ है धार्मिकता। तो परमेश्वर को प्रभु हमारी धार्मिकता कहने का क्या अर्थ है? इसका अर्थ यह है

कि वह हमारी धार्मिकता का स्रोत है। यीशु मसीह की पूर्ण धार्मिकता की तुलना में धार्मिकता के लिए हमारा प्रयास मैले चिथड़ों के समान हैं। यह केवल यीशु मसीह और क्रूस पर उनके कार्य में विश्वास के माध्यम से ही हम धर्मी बनाए जा सकते हैं। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर हमारी धार्मिकता है क्योंकि वही है जिसने देहधारन और क्रूस पर मरने समय हमें धार्मिकता प्रदान किया।

परन्तु यह उससे भी बढ़कर है। परमेश्वर न केवल हमें धार्मिकता प्रदान करता है, बल्कि वह हमें धार्मिकता से जीने के लिए सशक्त भी करता है। पवित्र आत्मा के माध्यम से, हम धार्मिकता में चल सकते हैं, परमेश्वर का अनुग्रह पाने के साधन के रूप में नहीं बल्कि हमें दिए गए अनुग्रह के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया के रूप में। 2कुरिन्थियों 5:21 में लिखा है, "जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहरायाकि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ" मसीह में हमारी एकता के द्वारा, हम नई सृष्टि बन गए हैं, और अब हम उस धार्मिकता में चल सकते हैं जो उसने हमें दी है। इसके अलावा, यहोवा– सिदकेनु नाम हमें स्मरण दिलाता है कि हमारी धार्मिकता हमारी अपनी नहीं बल्कि मसीह की है। हम इस तथ्य पर गर्व कर सकते हैं कि हम उसकी धार्मिकता में सजे हुए हैं, परन्तु हमें यह भी पहचानना चाहिए कि यह हमें एक बड़ी कीमत पर मिली है। परमेश्वर के सिद्ध, पापरहित पुत्र ने हमारे पाप को अपने ऊपर ले लिया और हमारे लिए पाप बन गया ताकि हम उसके द्वारा धार्मी बन सकें। मसीह ने जो कुछ हमारे लिए किया है उसकी गंभीरता को समझते हैं, तो यह हमें विनम्र बनाता है और हमें परमेश्वर के प्रति श्रद्धा और पवित्र भय में अपना जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। निष्कर्ष में, यहोवा– सिदकेनु नाम मसीह के माध्यम से हमें दी गई धार्मिकता का एक सुंदर अनुस्मारक है। यह हमें स्मरण दिलाता है कि धार्मिकता के लिए हमारे अपने प्रयास व्यर्थ हैं और हमारी एकमात्र आशा मसीह की सिद्ध धार्मिकता में है। यह हमें यह भी स्मरण दिलाता है कि हमारी धार्मिकता हमारी अपनी नहीं बल्कि यीशु मसीह की है, और हमें अपने जीवन को उसके द्वारा हमारे लिए किए गए कार्यों के लिए कृतज्ञता और श्रद्धा में होना चाहिए। हम सदैव स्मरण रखें कि "हम उसी में जीवित रहते, और चलते–फिरते, और स्थिर रहते हैं" (प्रेरित 17:28) और केवल उसी के द्वारा ही हम परमेश्वर के सामने धर्मी ठहराए जा सकते हैं।

— रेव्ह. थॉमस बी. नून्स

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Venkatapuram

Kindly contact us: **finance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

BARCODE

facilities to send your offertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

श्रद्धांजलि

डा. सामुएल जॉनसन (मिशनरी के पुत्र)

सैमुअल जॉनसन का जन्म 1979 को में एफ.एम.पी.बी. मिशनरीज स्वर्गीय रेव्ह. के. इजराइल और श्रीमती उत्तमश्री के घर आंध्र प्रदेश में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा यतवमल में, अन्य मिशनरियों के बच्चों के साथ माता–पिता से दूर रहकर की, नंद्याल में बी.सी.ए. की डिग्री हासिल की, फिर करुण्या विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर से एम. बीए. किया और बी.आई.टी. विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की। वह एक परिश्रमी पुत्र था। अपने कॉलेज के लिए सेकंड हैंड साइकिल पर जाता था, अपने बी.सी. ए. के दौरान, अपने इंटरव्यू और नौकरियों के लिए कड़ी मेहनत की और उन दिनों खुद का खर्च स्वयं उठाता था।

डॉ सैमुअल जॉनसन एक सहायक निदेशक – सेंटर फॉर टीचिंग एंड लर्निंग – सीटीएल – वीआईटी –एपी यूनिवर्सिटी और वीआईटी –एपी स्कूल ऑफ बिजनेस (वीएसबी) के साथ एक संकाय के रूप में भी काम कर रहे थे। जॉनसन शिक्षा के प्रति जुनूनी थे और एक प्रसिद्ध कोच, कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और सलाहकार थे, विशेष रूप से डिजिटल शिक्षा, ई–लर्निंग और संकाय विकास पर ध्यान केंद्रित करते थे। जॉनसन एफ.एम.पी.बी. के एक मजबूत समर्थक थे और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य मिशन पहल कीं। वह एक जीवंत व्यक्तित्व थे और सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़ने और कई लोगों को करियर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करने की उनकी क्षमता के लिए जाने जाते थे, जिनकी प्रारंभिक शिक्षा और करियर में दिशा और स्पष्टता की कमी थी। जॉनसन एक जिम्मेदार बेटा था जिसने अपने माता–पिता और परिवार के सदस्यों की देखभाल सेवकाई का समर्थन किया। जॉनसन ने 25 अप्रैल प्रातःकाल में उन्होंने बीमारी के कारण से स्वर्गीय बुलाहट को प्राप्त किया। उनके दुःखी परिवार के सदस्यों के लिए विशेषकर उनकी माँ बहन उत्तमराशि, उनकी पत्नी श्रीमती शालिनी एवं बहन शारोन और परिवार के लोगों के लिए आपकी प्रार्थना की आवश्यक्ता है।

– **रेव्ह जेबीवी प्रसाद** – मोबिलाइजेशन सचिव, एपी और तेलंगाना –1

श्री जोएल सेल्विन (मिशनरी के पुत्र)

श्री जोएल, हमारे दिवंगत वरिष्ठ मिशनरी श्री जोएल के पुत्र हैं। चेल्लप्पा और श्रीमती शांता चेल्लप्पा का निधन 2.5.2024 को हुआ। जोएल का जन्म 31.12. 1968 को हुआ था। उन्हें परमेश्वर की सेवा करने की गहरी इच्छा थी और वीडियो कवरेज और संगीत उद्योग के प्रति उनका जुनून था। 2000 में, चेन्नई में काम करते समय, उन्हें दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद, उन्होंने कुछ समय के लिए एफएमपीबी मोबिलाइजेशन ऑफिस त्रिची में अपनी पत्नी शांति के साथ काम किया। जोएल ने SCAN सेवकाई में गहरी दिलचस्पी ली और ग्राहकों को सुसमाचार पत्रक वितरित करने के इरादे से एक दुकान की स्थापना की। दुर्भाग्य से, जिस दिन दुकान खुली, उसी दिन उन्हें स्ट्रोक का सामना करना पड़ा। तंत्रिका क्षति के बावजूद, उन्होंने इलाज कराया और ठीक हो गए। इसके बाद, उन्होंने थोड़े समय के लिए थुरैयूर में ग्रामीण सेवा में भाग लिया। 2013 में अपने जन्मदिन पर, जोएल को एक और स्ट्रोक का अनुभव हुआ, जिसके कारण वह बिस्तर पर पड़ गए। चिकित्सीय हस्तक्षेप से उनकी रिकवरी हो सकी, परन्तु उन्हें 2021 में पित्ताशय की पथरी के कारण बिस्तर पर पड़ने की एक और अवधि का सामना करना पड़ा। 2024 में, उनके फेफड़ों में बलगम के निर्माण के कारण सांस लेने में कठिनाई के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दुख की बात है कि 2 मई 2024 को उन्हें घातक दिल का दौरा पड़ा और सदा के लिए प्रभु के पास कूच कर गए। प्रार्थना करें कि प्रभु इस शोकग्रस्त परिवार को सांत्वना प्रदान करे।

– **रेव्ह. पॉल डैनियल,** मोबिलाइजेशन सेक्रेटरी, त्रिची

पथ प्रदर्शक

परमेश्वर के हाथ में एक झींगूर

थॉमस अलेक्जेंडर लैम्बी एक मिशनरी मेडिकल डॉक्टर थे जो इथियोपिया के नागरिक बन गए, और इथियोपिया में कई शुरुआती चिकित्सा प्रयासों के लिए जिम्मेदार थे। उनका जन्म 1885 में पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य में हुआ था। वह एक धर्मनिष्ठ प्रेस्बिटेरियन थे और 1907 में यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन मिशन बोर्ड के तहत अफ्रीका थेएंग्लो–मिस्र सूडान गए। मिस्र के अलेक्जेंड्रिया से गुजरते समय, उनकी मुलाकात एक सुंदर, युवा, अविवाहित महिला मिशनरी, चार्लोट क्लेनी से हुई, जिनसे उन्होंने कुछ साल बाद विवाह कर ली। उन्होंने सूडान में अपने परिवार के साथ नुएर और अनुआक लोगों के बीच एक चिकित्सा मिशनरी के रूप में काम किया, और फिर 1918 में बारो नदी के जरिए इथियोपिया पहुँचे, और इथियोपिया में पहले अमेरिकी मिशनरी बन गए।

उनकी सेवकाई :

इथियोपियाई सीमा के अपेक्षाकृत करीब देश सोबत पर रहते हुए, उन्होंने उस महान बंद सुसमाचार का प्रचार करने के लिए ईश्वर के आह्वान को महसूस किया। वह कुछ वर्षों के लिए इथियोपिया के "पिछले दरवाजे" के अंदर ही बस गए और फिर अदीस (इथियोपिया की राजधानी और सबसे बड़ा शहर) चले गए। 1920 के दशक की शुरुआत में, डॉ. लैम्बी, अपनी पत्नी और टीम के साथ, खच्चर पर सवार होकर इथियोपिया के दक्षिण से अदीस अबाबा की ओर खतरनाक इलाके से गुजर रहे थे, जहाँ स्थानीय सरदारों और लुटेरों के गिरोहों का शासन था। एक रात जागने पर, उनका सामना भारी हथियारों से लैस लोगों के एक बड़े गिरोह से हुआ। उनके प्रमुख रास टेसेमा नादेव बहुत परेशान था। उसके कान में एक कीड़ा घुस गया था और उसे यकीन था कि यह उसे मार देगा। डॉ. लैम्बी ने आपत्तिजनक झींगूर को हटाने में सफलता प्राप्त की, जिससे मुखिया को राहत मिली, क्योंकि उसे विश्वास था कि यदि उसे नहीं हटाया गया होता उसके सिर में एक छेद कर दिया होता और वह मर गया होता।

बाद में इस प्रमुख रास टेसेमा लैम्बी का अनुरक्षक बन कर अदीस अबाबा गया, जहाँ उसने उसे अपने चचेरे भाई रास से मिलवाया। तफराई, महारानी के रीजेंट जिन्होंने बाद में हैली सलासी की उपाधि ली, इथियोपिया के

सम्राट लैम्बी सम्राट के मित्र और विश्वासपात्र बन गए। यह था कि एक छोटे से गैंडे के झींगूर ने इथियोपिया को सुसमाचार के लिए खोलने में मदद की। इथियोपिया में कई वर्षों तक बहुत कठिन परिस्थितियों में काम किया और चिकित्सा कार्य और चर्च स्थापना दोनों के संबंध में कुछ बहुत ही मूल्यवान सबक सीखे। उन्होंने कहा "मैंने हमेशा महसूस किया है कि मिशनरी डॉक्टर के लिए, प्रार्थना कम से कम बाँझ उपकरणों के बराबर महत्व रखती है। प्रार्थना घटिया काम का विकल्प नहीं है, लेकिन मैं प्रार्थना के बिना भी उतना ही जल्दी काम करना पसंद करूँगा जितना कि अपने उपकरणों को उबाले बिना या रबर के दस्ताने पहने बिना।" उन्होंने स्थानीय लोगों को दरिद्र न बनाने के महत्व को समझा; इसलिए चिकित्सा कार्य के लिए शुल्क लिया जाता था, चाहे वह बकरी हो या उनके खेतों से अनाज। जब चर्च की इमारतों की बात आई, तो उन्होंने सीखा कि "धर्मांतरित लोगों द्वारा खुद बनाई गई एक साधारण इमारत इंग्लैंड या अमेरिका से भेजे गए धन से उनके लिए बनाई गई एक विदेशी संरचना से दस गुना बेहतर है।"

उनकी उपलब्धियाँ :

जब लेम्बी परिवार अदीस अबाबा की यात्रा पर गया, तो रास तफारी ने अनुरोध किया कि डॉ. लैम्बी ने वहाँ एक अस्पताल बनवाए और शहर के बाहर गुल्लेले में 12 एकड़ जमीन देने की पेशकश की। अमेरिका लौटने पर, डॉ. लैम्बी ने इस प्रयास में मदद के लिए अपने बोर्ड से संपर्क किया। हालाँकि उन्होंने अस्पताल की जरूरत को पहचाना, परन्तु बोर्ड उन्हें जरूरी धन मुहैया कराने में असमर्थ था, जिसके कारण लैम्बी को अपने देश में धन जुटाने के लिए यात्रा करनी पड़ी। परमेश्वर ने ओहियो के एक छोटे से शहर में एक सफल व्यवसायी डब्ल्यू. एस. जॉर्ज के जरिए इस जरूरत को पूरा किया, जिन्होंने उन्हें अस्पताल बनाने के लिए 70,000 अमेरिकी डॉलर दिए। अस्पताल का निर्माण 1922 में शुरू हुआ, जो उस समय इथियोपिया की सबसे बड़ी इमारत बन गई। 1932 में, डॉ. लेम्बी ने अदीस अबाबा के किनारे एक कुष्ठ रोग अस्पताल का निर्माण कराया। रास के आग्रह पर कासा, डॉ. लैम्बी ने 1934 में लालिबेला में एक अस्पताल बनाने की योजना पर विचार किया, परन्तु युद्ध छिड़ जाने के कारण ऐसा नहीं हो सका।

उनके अंतिम काल :

डॉ. लैम्बी ने इथियोपिया छोड़ दिया; क्योंकि उसने अपने अस्पताल की संपत्ति का मालिकाना हक पाने के लिए इथियोपिया की नागरिकता हासिल कर ली थी।

उन्होंने नाइजीरिया, सूडान और फिलिस्तीन में काम किया, जहाँ उन्होंने बेथलहम में 90 बिस्तरों वाला बेराचाह ट्यूबरकुलोसिस सैनिटेरियम बनाया और 1953 में बेथलहम में बाराका बाइबिल प्रेस्बिटेरियन चर्च की शुरुआत की। कई वर्षों तक डॉ. लैम्बी को ईस्टर संडे को यरूशलेम के बाहर गार्डन टॉम्ब में आयोजित सूर्योदय सेवा के लिए आमंत्रित किया गया था। 1954 में गुड फ्राइडे के दिन, डॉ. लैम्बी उस संदेश पर ध्यान लगाने के लिए बगीचे में गया था जिसे वह पुनरुत्थान रविवार की सुबह लेकर आएगा, और वहीं पर दिल का दौरा पड़ने से उसकी मृत्यु हो गई। 14 अप्रैल, 1954 को मसीह की कब्र पर उसकी मृत्यु हो गई। यदि ईश्वर निनवे और इथियोपिया में अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए मछली और गैंडे जैसे तुच्छ जानवरों का उपयोग कर सकता है, तो ईश्वर इस राष्ट्र को सुसमाचार से भरने के लिए आप और मेरे जैसे अपने विशेष रूप से बनाए गए लोगों का उपयोग करता है।

द्वारा संकलित : **मर्सी सेल्विन**

मिशनरी जीवनी

श्री एस. चेल्लाप्पा ज्ञानाशेखरन
(1937-1996)

आरम्भिक काल:

श्री एस. चेल्लाप्पा ज्ञानशेखरन का जन्म 11.02.1937 को करूर में हुआ था। उनके माता–पिता श्री स्वामीदास और श्रीमती इनबाम शिक्षक शिक्षिका थे। चेलप्पा के पाँच भाई–बहन थे, चार बड़े भाई और एक छोटा भाई। हालाँकि उनका जन्म एक समर्पित मसीही परिवार में हुआ था, परन्तु उन्होंने कभी भी यीशु मसीह के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने की जहमत नहीं उठाई और इसलिए उन्होंने उथली विश्वास का जीवन जिया। ऐसा कहा जाता है कि उनके अनैतिक दोस्तों के कारण ही श्री. चेलप्पा यीशु मसीह के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करने में असफल रहे। वे सांसारिक सुखों की ओर आकर्षित थे। चूँकि उनके माता–पिता शिक्षक थे, इसलिए उन्होंने उन्हें शिक्षक प्रशिक्षण दिलवाया और जल्द ही वे शिक्षक बन गए।

उद्धार और वैवाहिक जीवन:

श्री चेल्लाप्पा ने 16.09.1966 को हेप्सीबाह संथाकुमारी से विवाह किया संथाकुमारी के माता–पिता श्री मणिकम और श्रीमती. रुक्मणी थे जो मुसिरी के रहने वाले थे। बहन संथाकुमारी सरकारी कार्यालय में एक टंकण के रूप में काम करती थीं। उनके माता–पिता ने अपना पुराना धर्म छोड़कर मसीही धर्म अपना लिया था। सांताकुमारी केवल नाम से मसीही थीं। नवविवाहित जोड़ा श्री. चेल्लप्पा और श्रीमती सांताकुमारी ने अपना पारिवारिक जीवन करूर में रहकर शुरू किया। हालाँकि उनके जीवन में खुशियाँ थीं, परन्तु उन्हें संतुष्टि से वांछित जीवन नहीं मिला। 10.06.1972 को, श्री. चेलप्पा ने सिनेमा हॉल में फिल्म देखने का फैसला किया था। उसे सी.एस.आई. स्कूल परिसर से होकर गुजरना था, जहाँ एक मसीही आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा था। वह बस यह देखने के लिए स्कूल में घुसा कि वहाँ क्या हो रहा है। उसने सोचा कि वह वहाँ कुछ मौज–मस्ती कर सकता है; परन्तु शीघ्र ही वह संदेश को गंभीरता से सुनने लगा। यह वह दिन था, जिसे परमेश्वर ने श्री चेल्लप्पा के जीवन में नियुक्त किया था। एफ.एम.पी.बी. के तत्कालीन महासचिव भाई एमिल जेबासिंह, सम्मेलन के प्रतिभागियों के साथ परमेयवर का संदेश बाँट कर रहे थे। संदेश ने श्री चेल्लप्पा को आकर्षित किया। चेल्लप्पा ने संदेश को पूरी गंभीरता से सुना। पवित्र आत्मा ने श्री चेल्लप्पा को एहसास कराया कि वह एक पापी है। जब उसे एहसास हुआ कि केवल मसीह ही उद्धारकर्ता है, तो उसने अपने पापों को स्वीकार किया और अपने पापों के लिए क्षमा प्राप्त की। भाई चेलप्पा खुशी–खुशी अपने घर लौट आए। घर पर पवित्र आत्मा ने श्री चेलप्पा को इफिसियों 2:1–8 वचन को दिलाया। इस मोड़ पर, श्री चेल्लप्पा को इस बात का एहसास हुआ कि उन्होंने पापमय जीवन जिया है,

इसलिए उन्होंने पवित्र जीवन जीने का संकल्प लिया। सांताकुमारी भी नाममात्र की ईसाई थीं। अप्रैल 1972 में उन्हें करूर में एफ.एम.पी.बी. द्वारा आयोजित गिदोनाइट शिविर में भाग लेने का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में श्री पी. सैमुअल मुख्य वक्ता थे। श्रीमती सांताकुमारी ने पी. सैमुअल का शाम का संदेश सुनी और अपना जीवन यीशु मसीह को समर्पित कर दिया तथा उनके प्रभुत्व को स्वीकार कर लिया। उसने अपने जीवन में मसीह को सर्वोच्च स्थान दिया तथा केवल मसीह के लिए जीने का निर्णय ली।

सेवकाई के लिए बुलाहट:

एक मसीही परिवार में जन्म लेने के कारण, श्री चेलप्पा सुसमाचार टीम के साथ जाते थे। इस आदत ने सुसमाचार प्रचार में उनकी रुचि को बढ़ाया। 1973 में, श्री चेल्लाप्पा ने हरे द्वीप पर आयोजित युवा शिविर में भाग लिया। (मुयाल तूतीकोरिन के निकट थीवु)। परमेश्वर ने उनके जीवन में हस्तक्षेप किया। शाम के संदेश के दौरान, प्रभु परमेश्वर ने 2तीमुथियुस 4:9; 2:15,19 के माध्यम से उनसे बात की और परिणामस्वरूप उन्होंने अपना जीवन सेवकाई के लिए समर्पित कर दिया। अपने बुलावे की पुष्टि करने के लिए, उन्होंने प्रार्थना की और बाइबल पढ़ी। परमेश्वर ने फिर से 1थिस्सलुनीकियों 5:24; 1तीमुथियुस 6:12; 2तीमुथियुस 4:5 के माध्यम से उस पर हस्तक्षेप किया। श्री चेल्लप्पा और उनकी पत्नी श्रीमती सांताकुमारी ने उसी शाम अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित करने का निर्णय लिया।

एफ.एम.पी.बी. के माध्यम से सेवकाई:

श्री चेल्लप्पा का परिवार मार्च 1975 में FMPB में शामिल हुआ। उन्हें वीरपंडियनपट्टिनम में कोषाध्यक्ष के कार्यालय में भेजा गया और फिर जुलाई 1976 में थोड़िया जन समूह के बीच मिशरी के रूप में गुजरात भेजा गया। वे गुजरात के धरमपुर क्षेत्र में पहुँचे। उन्होंने गुजराती में भाषाई प्रशिक्षण पूरा किया और वहाँ सेवा करना आरम्भ किए। उनके सेवकाई के माध्यम से कई लोगों ने यीशु मसीह को ग्रहण किए और 1977 से बपतिस्मा के माध्यम से यीशु मसीह में अपने विश्वास की घोषणा की। 31.07.1978 को पनीकाडाग गाँव में आयोजित बपतिस्मा सेवा के दौरान, कई लोगों ने यीशु मसीह के प्रभुत्व को स्वीकार किया। जुलाई 1979 में धर्मशास्त्र में एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए परिवार को सलेम के डेनिशपेट में बेथेल बाइबल कॉलेज भेजा गया, और उन्होंने मई 1980 में पाठ्यक्रम पूरा किया। श्री चेलप्पा एक छोटी दुर्घटना में फंस गए थे और उनका इलाज किया गया और वे ठीक हो गए। मेडिकल लीव के बाद उन्हें व्यारा भेजा गया। बाद में उन्हें सोनेघाट में पदस्थापित किया गया। फिर से उन्हें व्यारा में स्थानांतरित कर दिया गया और उन्होंने फरवरी 1983 से फील्ड ऑफिस में काम किया; उन्होंने 1985 में फील्ड डेवलपमेंट मिनिस्ट्री का कार्यभार संभाला; बाद में उन्हें कोयंबटूर स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने मिशन विजन मोबिलाइजेशन के साथ काम किया और इसलिए उन्हें कोयंबटूर में चर्चों का दौरा करना पड़ा ताकि उन्हें मिशनरी कार्य, प्रार्थना और प्रार्थना समूहों के बारे में लोगों को जागरूक कर सके। अप्रैल 1988 से, उन्होंने कुछ वर्षों के लिए चेन्नई के मुख्यालय में संचार विभाग के साथ काम किया।

अंतिम काल:

श्री चेलप्पा बीमारी के कारण कुछ समय से अस्पताल में चिकित्सा उपचार ले रहे थे। ठीक होने के बाद, उन्होंने चेन्नई में सेवा जारी रखा। 12.03.1996 को उन्हें दिल का दौरा पड़ा और सुबह 7:30 बजे उनका निधन हो गया। अंतिम संस्कार सेवा सी.एस.आई. सेंट जेम्स चर्च, अयनावरम में आयोजित की गई थी। उनके पार्थिव शरीर को किलपौक कब्रिस्तान में दफनाया गया। आईए हम श्री चेलप्पा के कार्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति और धन्यवाद करें कि चेल्लाप्पा ज्ञानशेखरन ने अपनी दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा किया।

– रेव्ह. डॉ . ई. राजन

अनुसोनई कलीसिया का इतिहास

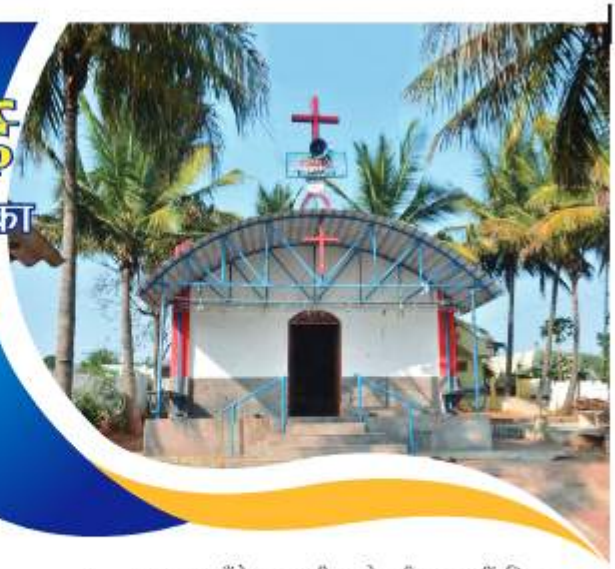

डेन्कानीकोट्टई क्षेत्र, तमिलनाडु अंचल

द्वारा लिखितः **श्रीमती डी. एग्नेस एडवर्ड**

आरम्भ

डेन्कनीकोट्टई मिशन क्षेत्र अप्रैल 1983 में खोला गया और श्री वी. थॉमस और श्रीमती वसंत थॉमस इस क्षेत्र के पहले मिशनरी थे। परमेश्वर के दासों के द्वारा अनुसोनई गाँव में सुसमाचार का बीज कई बार बोया गया था, परन्तु पहला फल 1983 में दिखाई दिया जब अनुसोनई गाँव के श्री वेणुगोपाल ने अपने जीवन में एक चमत्कार का अनुभव किया।

श्री डेविड वेणुगोपाल द्वारा अनुभव किया गया चमत्कार अपने शब्दों में

"मैं अनुसोनई गाँव से डेविड वेणुगोपाल हूँ। मैंने 1983 में मिशनरी श्री वी. थॉमस के माध्यम से मसीह को स्वीकार किया था। इससे पहले, हमारे गाँव में कई लोगों ने सुसमाचार का प्रचार किया था परन्तु मैंने तब मसीह को स्वीकार नहीं किया था। हम अपने गाँव में एक चाय की दुकान चलाता था। मेरे एक हाथ में लकवा मार दिया था इसलिए मैं दुकान के बाहर एक खाट पर लेटा रहता था। मिशनरी श्री वी. थॉमस हमारी दुकान में चाय पीने आए। उन्होंने मुझे देखा और मसीह के सुसमाचार को मेरे साथ साझा किया। जब मैंने सुसमाचार सुना और मेरे हाथ की विकलांगता ठीक हो गई तो मेरा हृदय खुशी से भर गया। भाई थॉमस ने हमसे कहा कि अगर हम इच्छुक हैं तो रविवार को चर्च में आ सकते हैं। मेरी माँ नियमित रूप से बैंगलोर से इंजेक्शन लाती थी। उस दिन, उसने मुझे इंजेक्शन लेने के लिए कहा लेकिन मैंने यह कहकर मना कर दिया कि मैं पहले ही ठीक हो गया हूँ। अगले दिन सुबह मेरी माँ ने उसी पर जोर दिया लेकिन मैंने यही जवाब दिया मेरे पूरे परिवार ने बेट्टामुगिलालम में बपतिस्मा लिया। चूँकि मैं लिंगायत समुदाय से था, इसलिए मैं दो–तीन गाँवों में राम और हनुमान मंदिरों में हिंदू पुजारी भी था। यीशु मसीह को स्वीकार करने के बाद, मैंने पूजा–पाठ करना बंद कर दिया। परमेश्वर ने इन बातों को देखा और मुझे 1984 में रेलवे की नौकरी दे दी। हमारे पास पहले कोई जमीन नहीं थी, परन्तु बाद में परमेश्वर ने जमीन खरीदने में हमारी सहायता की।"

श्री राममूर्ति मैथ्यू

"मैं अनुसोनई गाँव से हूँ। 1995 में मेरी माँ ने मुझे होसुर में एक मसीही छात्रावास में पढ़ाई के लिए दाखिला दिलाया था। छुट्टियों के दौरान, जब मैं घर आया तो मैं बीमार पड़ गया। मेरी ने माँ मुझे सरकारी अस्पताल ले गईं जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मुझको एक निजी अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। उसके पास पैसे नहीं थे, वह नहीं जानती थी कि क्या करना है। हालाँकि मैंने एक मसीही छात्रावास में पढ़ाई की, लेकिन मैं ईसा मसीह के बारे में नहीं जानता था क्योंकि मैं तब एक छोटा लड़का था। एक विश्वासी ने मेरी माँ को यीशु मसीह के बारे में बताया और उसे यीशु से प्रार्थना करने के लिए कहा। तब तक मेरा पेट सूज गया था और मुझे मल त्याग करने में भी तकलीफ हो रही थी। मेरी माँ ने यीशु मसीह से प्रार्थना की और परमेश्वर ने मुझे चमत्कारिक रूप से चंगाई दिया। इसलिए मेरी माँ ने यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया और उनके बाद में मैंने भी यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। मैंने अनुसोनई चर्च में बपतिस्मा लिया। मेरी शादी एक हिंदू लड़की से हुई परन्तु उसने भी विवाह के बाद यीशु मसीह को स्वीकार कर ली।

श्री चंद्रन

"मेरा नाम चंद्रन है और मैं अनुसोनई के पास चिक्कनकुंटा गाँव का रहने वाला हूँ। मेरी शादी के बाद हमारे घर में अक्सर झगड़े होते रहते थे। मेरे एक दोस्त अंकराज ने यीशु के बारे में बताया। वह मुझे केलामंगलम के ए.जी. चर्च में ले गया। मैं नियमित रूप से वहाँ की आराधना में शामिल होने लगा और मैंने यीशु मसीह को स्वीकार करके बपतिस्मा ले लिया। परन्तु मेरी पत्नी आराधना में शामिल नहीं होती थी। एक दिन मैं निर्माण कार्य के लिए अनुसोनई आया था तब अचानक मेरे सीने में दर्द हुआ। मैं तुरंत इस चर्च में आया और प्रभु से प्रार्थना की और चंगा हो गया। उसके बाद जब मैं ए.जी. चर्च गया तो मुझे बस यही चर्च याद आ रहा था। इसलिए मैंने यहाँ की आराधना में शामिल होना शुरू कर दिया और यह पास में ही था। मेरी पत्नी आराधना में शामिल होने से इनकार कर रही थी परन्तु मैंने उसके लिए प्रभु से प्रार्थना की और जैसे–जैसे दिन बीतते गए वह भी मेरे साथ आराधना में भाग लेने लगी। उसने भी यीशु मसीह को स्वीकार कर ली और एफ.एम.पी.बी. चर्च में बपतिस्मा ले ली। पादरी रंजीत कुमार ने उसको बपतिस्मा दिया।"

कलीसिया का विकास

अनुसोनई के शुरुआती विश्वासी केलामंगलम के चर्च में जाते थे जो अनुसोनई गाँव से 6 किलोमीटर दूर पर था। जून 1984 में अनुसोनई में पहले विश्वासी श्री डेविड वेणुगोपाल के घर पर एक आराधना समूह शुरू किया गई थी। आराधनाकी शुरुआत मिशनरी श्री वी. थॉमस ने की थी। इसमें 10 प्रतिभागी थे। अनुसोनई के विश्वासी अपने पड़ोसियों को जो बंधन और बीमारियों से ग्रस्त थे, प्रार्थना सभाओं में ले आने लगे जहाँ उन्होंने चमत्कारिक चंगाई और छुटकारे का अनुभव किया। नवंबर 1988 में मिशनरी श्री वी. थॉमस के स्थानांतरण के बाद राजन एंड्रयूज ने डेनकनीकोट्टई मिशन क्षेत्र का कार्यभार संभाला।

डेन्कानीकोट्टई क्षेत्र का विभाजन

अगस्त 1989 में मिशनरी श्री पॉल नागराजन को श्री राजन एंड्रयूज के स्थान पर डेन्कनीकोट्टई क्षेत्र में पदस्थापित किया गया था। अगस्त 1991 में, डेंकनीकोट्टई क्षेत्र को केलामंगलम क्षेत्र और डेंकनीकोट्टई क्षेत्र के रूप में दो भागों में विभाजित कर दिया गया। श्री पॉल नागराजन ने केलामंगलम क्षेत्र का प्रभार संभाला जिसके तहत अनुसोनई चर्च काम कर रहा था ।

चर्च भूमि एवं निर्माण

प्रथम विश्वासी श्री डेविड वेणुगोपाल की अपने गाँव, अनुसोनई में एक चर्च खोलने की तीव्र इच्छा थी, क्योंकि कम बस सुविधा के कारण केलामंगलम में चर्च जाना मुश्किल था। 1999 में, उन्होंने अपनी जमीन मे से 10 प्रतिशत की जमीन FMPB को दे दान में दे दी। अनुसोनई मण्डली के सदस्य अनुसोनई और चिक्कनकुंटा गाँवों से हैं। सदस्य लिंगायत और आदि द्रविड़ समुदाय से हैं। चर्च का नाम क्राइस्ट चर्च रखा गया है। इसकी नींव 1999 में रखी गई थी। यह 40X20 फीट आकार का एक पक्का चर्च है जिसकी छत ACC का है। इसे 5.12.1999 को तत्कालीन क्षेत्रीय सचिव रेव्ह. जॉन किरुबाकरन, रेव्ह. वरदराजन और फील्ड मिशनरी रेव्ह. पॉल नागराजन द्वारा समर्पित किया गया। चर्च समर्पण समारोह के दौरान करीब 150 लोग मौजूद थे। 14.1.2009 को अनुसोनई चर्च में प्रार्थना की गई और बोरवेल खोदा गया। इस प्रकार अनुसोनई चर्च की पानी की जरूरतें पूरी हो रही हैं। लगभग 110 लोगों ने अनुसोनई चर्च के तहत बपतिस्मा लिया।

विरोध

चर्च निर्माण के समय गर्मी का मौसम था, इसलिए फर्श का काम रात में किया गया। इसलिए गाँव वालों ने आरोप लगाया कि काम चोरी–छिपे किया जा रहा है और उन्होंने श्री सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना शुरू कर दिया। सुबह को वेणुगोपाल, श्री पॉल नागराजन और विश्वासियों ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और विपक्षी पक्ष ने लिखित में दिया कि वे आगे से कोई व्यवधान नहीं डालेंगे। रात में चारदिवारी बनाने के लिए रखे गए पत्थर चोरी हो गए। चर्च के आसपास रहने वाले बारह परिवारों ने चर्च निर्माण का विरोध किया। उन्होंने मजदूरों को काम करने से रोकने की कोशिश की।

प्रार्थना बिंदु

1. प्रथम विश्वासी का पुत्र के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से पीछे हट गया है प्रभु की ओर फिरे।
2. अनुसोनई चर्च के उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें जिनका बपतिस्म त्रिएक परमेश्वर के नाम में हुआ है और विश्वास से भटक गए हैं वे मसीही विश्वास में वापस आएँ।

यहोवा राफा
– चंगाई देनेवाला परमेश्वर

उत्तराखंड के मुल्तांगुलर में विजय नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह पिछले छह महीनों से मुँह के कैंसर से पीड़ित था, वह ठीक से बोल नहीं सकता था, खा नहीं सकता था और पानी भी नहीं पी सकता था। उसकी बहन उसे अपने घर ले आई और हमारे मिशनरियों से उसके लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। उनकी प्रार्थनाओं के बाद, विजय ने बोलने की क्षमता वापस पा ली। हम उसके ट्यूमर के पूरी तरह ठीक होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते रहते हैं ।

जून 1 शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुकांति बतूएल बर्धन
श्रीमती उर्मिलाबेन रामसिंहभाई
श्री विनयराज एम., श्री. होसियाल नायक
श्री वासव पचियाभाई पोहनाभाई
श्री गामित कमलेश सिंगाभाई
श्री भोया देवुभाई गंगाजुभाई
श्रीमती राचेल जोइस बाबू पुष्पराज
श्रीमती गावित जामुबेन देवुभाई
श्रीमती कृतंजलि गुना चंद्र पाइक
श्री वसावा सुनील कुमार, श्री. कुमारन जी.
श्री वासव रमेशभाई उल्सिंग
श्री भोरसत बाबूभाई चिमनभाई
श्रीमती सौम्य अब्राहम थॉमस
श्रीमती प्रीतिबाला प्रधान बिदुश
श्रीमती कोंकणी भारतीबेन दिलीपभाई
श्रीमती जादव सरस्वती बहन भोरसत
श्री बोदर अमृतभाई बच्चू भाई
श्री वासवा आजुभाई रामुभाई
श्री सुरकर रमेशभाई जोहुरामभाई
श्रीमती जयंती कार्तिकेयन
श्रीमती लमनी रत्न मंज्या नायक
श्रीमती जेलिन जयाप्रथा कुमारन
श्री टिम्मन्ना / टिमोथी
श्रीमती सुनंदा कुलकर्णी राजा
श्रीमती मीनाखी बीरो सुनील दतकरा
श्री वासावे अरविंद कालूसिंग
श्रीमती तड़वी मनीषा येल्मुलवार
श्रीमती जयारानी सुकीनलाल, श्री. गोंड देवु विश्राम
श्री पवार दिनेश इंदरभाई
श्रीमती रांधे लक्ष्मीबेन देसाई

जम्मू एवं कश्मीर

नौशेरा : रियानलुंगथांग जू एवं लिंगनेइहोई; सैक सुबानी एवं एमी बैक्या

स्तुति : डांगरी गाँव के विश्वासियों ने धन्यवाद करके सुसमाचार का प्रचार किया। जोकवी गाँव की एक नई विश्वासिनी मुस्कान देवी को प्रार्थना के उत्तर में पेट में सूजन से चंगाई मिली। जन्म के दौरान जटिल परिस्थितियों के बावजूद प्रभु ने नुनियाल गाँव की सीतल को सुरक्षित प्रसव करने में परमेश्वर ने सहायता की। कई व के हमारे विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे ग्रामीण पंचायत के द्वारा चर्च में न जाने का आदेश जारी करने और उन्हें परिणाम भुगतने की धमकी के बावजूद वे विश्वास में स्थिरता के साथ खड़े रहें। सियाल गइलाकों में व्याप्त विरोध के बावजूद, प्रभु की सुरक्षा हमारे ऊपर थी और सुसमाचार का प्रचार के दौरान हुए अपने पूरे मिशन क्षेत्र में यात्रा सुरक्षित यात्रा कर पाए।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि आगामी नियोजित सुसमाचार घोषणा कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हों। काई गाँव का हमारा एक नया विश्वासी, रविंद्रन को मुँह के कैंसर से चंगाई मिले। दरियाला गाँव के अशोक के लिए प्रार्थना करें कि वह मसीह के प्रेम में जड़ पकड़े।

विश्वास की प्रार्थना से कमजोर होते अंगों को बल मिला

हिमाचल प्रदेश के रोहरू मिशन क्षेत्र में रहने वाले सीरसिंह गुप्ता परिवार की आजीविका के लिए एक दूध देने वाली गाय पर निर्भर थी। यह गाय आमतौर पर पास के खेल के मैदान में चरती थी और हर दिन अपने अस्तबल में लौट आती थी। हालाँकि, एक खास दिन, चरने के बाद, गाय अस्तबल में लौट आई, लेकिन सीरसिंह के प्रयासों के बावजूद खड़ी नहीं हो पाई। अपनी आजीविका के लिए गाय के महत्वपूर्ण महत्व को समझते हुए और उसे पुनर्जीवित करने के सभी अन्य प्रयासों के विफल होने के बाद, दंपति ने गाय पर पानी छिड़का और विश्वास के साथ प्रार्थना की। चमत्कारिक रूप से, उनकी प्रार्थना के तुरंत बाद, गाय ने अपने आप खड़े होने की ताकत हासिल कर ली और हमेशा की तरह चरने लगी। इस चमत्कारी घटना ने दंपति को अपने चर्च में गवाही देने के लिए प्रेरित किया, उनके हस्तक्षेप और जीविका के अपने मूल्यवान स्रोत की बहाली के लिए प्रभु के नाम की महिमा की।

जन्मदिन मुबारक

श्री सोमाभाई वालुभाई, श्री. बिभाबा पानी
श्री सुंदर दुरई वाई., श्री सुनील प्रसाद सिंह
श्रीमती विमला पीटर प्रभाकरन
श्रीमती शिवगामी स्टीफन, श्रीमती. निशा आनंदम
श्रीमती वासवा सुनीताबेन उल्सिंग
श्रीमती ज्योत्सना जेराल्ड जेवियर

नरोट : जीवेर जोसुवा एवं क्षेत्रियम प्रिया देवी

स्तुति : परमेश्वर ने हमें तागुवेल, मिसेक और पथ्यात्री गाँवों में नए विश्वासी प्रदान किए हैं। जिमसक गाँव के नेसा के पिता, जिन्होंने पहले उन्हें चर्च में जाने की अनुमति नहीं दी थी, ने अपना हृदय परिवर्तन किया और अब उन्हें चर्च में जाने की अनुमति दी है। अमृत–उगादी परिवार, जो पारिवारिक झगड़ों के कारण अलग–थलग पड़ गया था, प्रार्थना के बाद सुलह और परामर्श द्वारा अब वे चर्च में जाना शुरू कर दिए हैं। सन्नी भाई के लिए जिन्होंने चर्च में गवाही दी कि कैसे प्रभु ने नागरी नगरपालिका को उनके तीन महीने के वेतन का भुगतान करने के लिए प्रेरित किया, जो उन्हें देना था।

प्रार्थना : 9 वर्षीय दीपिका जो अपने पूरे शरीर पर त्वचा के संक्रमण से पीड़ित है, प्रभु उसे चंगाई दे। रीना–मुकेश परिवार के बीच पारिवारिक समस्याओं का समाधान हो। पंडित समुदाय के विरोध के कारण सोनाथले गाँव की सीमा परिवार चर्च में नहीं जा पा रहे हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसके चर्च में आने के लिए मार्ग तैयार करे। नौकरी न मिलने के कारण गंभीर मानसिक तनाव में फंसे युवा दीप प्रकाश के लिए कि वह ठीक हो जाए और उसे जीवन में आशा की किरण प्राप्त हो।

जम्मू क्षेत्र : वासावे इलेश प्रभु एवं सुनीता वाच्या

स्तुति : 3 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया और 247 लोगों ने सुसमाचार सुना। निमोनिया और दौरा से पीड़ित हेमांग को हमारी प्रार्थनाओं के उत्तर में जीएमसी अस्पताल में इलाज द्वारा चमत्कारिक चंगाई मिली। हमारे घर में आयोजित फेलोशिप मीट के माध्यम से केंद्रीय विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों तक सुसमाचार पहुँचाने में आँन्ध्र प्रदेश और केरल के मसीही छात्रों द्वारा दी गई सहायता के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। करमचंद प्रभु को अपना निजी उद्धारकर्ता मानने के बाद विश्वास से भटक गया था परन्तु वह अपने पापों को स्वीकार करके फिर से विश्वास में वापस आ गया है। बिश्नाह, चन्नी, नगरोटा, रायामोड़ गाँवों की सेवकाई में जिन लोगों के बीच द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई उनमें से अधिकांश लोग सुसमाचार में बहुत ही संवेदनशील और रुचि ले रहे हैं।

प्रार्थना : बटवाल, महासा और भगत लोगों के समूहों के लिए सुसमाचार के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि हो ताकि हम सभी जनसमूह तक सुसमाचार पहुँचा सकें। विश्वास से पीछे हटे हुए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में वापस आएँ और अपनी गवाही के साथ अन्य लोगों तक पहुँचने में सक्रिय हों। प्रार्थना करें कि रान्या, नगरोटा और रायमोड़ गाँवों में नियमित आराधना समूह शुरू किया जा सके क्योंकि वे मसीह को जानते और विश्वास करते हैं। प्रार्थना करें कि उटरवेनी गाँव में मसीही कार्य पर लगाए गए प्रतिबंध हटे और फिर से सुसामचार प्रचार के लिए द्वार खुले। प्रार्थना करें कि प्रभु हमें ऐसे खुले दरवाजे प्रदान करें जिन्हें मनुष्य या कोई कानून बंद न कर सकते हों।

जन्मदिन मुबारक

श्री एडवर्ड सैम टी., श्री. वेदियाप्पन एल.
श्री पॉल डैनियल वी., श्री. विजयकुमार के.
श्रीमती रश्मिता परिडा विल्सन
श्रीमती येसुमनी माइल्सामी, श्री. ब्लेसन वेस्ले पी.
श्रीमती रूपा कुमारी प्रशांत
श्री बालामुरुगन वी., श्री. आशाप्राप्ता
श्रीमती एंथोनी राजम जेरोम
श्रीमती वाल्पी एजू कालूसिंह

रामगढ़ : जॉन एजुंग एवं लिबेनी एजुंग

स्तुति : 3 गाँवों के 4 नए स्थानों पर सत्संग सभा आयोजित की गई जिसमें लगभग 380 लोग एकत्र हुए और सुसमाचार सुना तथा 3 लोगों ने प्रभु यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। प्रार्थना समूह के अगुवों का प्रशिक्षण, बाल शिविर तथा खोजियों का शिविर आयोजित किया गया। व्यक्तिगत सुसमाचार के लिए आयोजित प्रशिक्षण के कारण, हमारे विश्वासी अपने रिश्तेदारों के साथ उत्सुकता से सुसमाचार साझा करते हैं। सुमार और ज्योति के परिवारों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो परमेश्वर की महिमा के लिए सेवकाई में हमारे साथ भाग लेते हैं।

प्रार्थना : रेमडा गाँव के विनय के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो हमारे विश्वासियों को गाँव में प्रवेश करने से रोकता है और मसीही आउटरीच कार्यक्रम चलाता है। कारोदेवी मोना, मंजू, बिंदु, गीता, कल्पना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने जीवन बदलने वाले विश्वास को अपनाया है किया है, ताकि वे अपनी गवाही को साहसपूर्वक साझा कर सकें। राजी और राधा के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने मसीह में एक नया जीवन का अनुभव किया है और अपने विश्वास के कारण अपने रिश्तेदारों द्वारा उत्पन्न बाधाओं के कारण आने वाले भय पर काबू पाएँ और अपने विश्वास की सार्वजनिक घोषणा कर सकें। प्यारा को गले के कैंसर से चंगाई मिले। विश्वासी अपने जीवन के साक्ष्य द्वारा बहुत सी आत्माओं को मसीह में ले आएँ। जो लोग बाइबल अध्ययन समूहों में भाग लेते हैं, वे परमेश्वर के वचन को समझें और दूसरों के साथ भी साझा करने में सक्षम हों।

हिमाचल प्रदेश

एनी : जिन स्वाम एवं चिंग होइकिम

स्तुति : 3 नए गाँवों में 280 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। उनमें से 2 व्यक्तियों ने प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। हमारे विश्वासी दीपक और गोल्डी को संतान की आशीष मिली। जिन गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया, उन गाँव के 5 लो हमारे संपर्क में नए आए। हमारे बंदाल विश्वासी मूंगा राम और उनके बेटे ने ऋण प्राप्त कर बेकरी की दुकान शुरू की।

प्रार्थना : सरिता और सन्नू के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। सीता राम को दुष्टात्मा के आक्रमण से छुटकारा मिले। बका राम के मुकदमे का न्यायालय में उसके पक्ष में अंत हो। हमारे विश्वासी तलरू राम, चिंता, देव मणि, कला देवी, रक्षा, समत राम, शीला, श्यामुन देवी, मोनलाल जो अपने विश्वास से पीछे हट गए हैं, प्रार्थना करें कि वे विश्वास और कलीसिया में वापस आएँ। प्रार्थना करें कि हमारे संपर्क में नए आए ओम बहादुर, हेत राम, ताबे राम, फ्युनु देवी और हेरा यीशु मसीह के उद्धार के ज्ञान तक पहुँचने पाएँ।

जन्मदिन मुबारक

श्री कराडो बिश्वा रंजन
श्रीमती जेमिमा जेबारानी डैनियल डेविड
श्री एबी ज्ञाना सेलिन एस., श्री. जीवेर जोएस्वा ई.
श्रीमती वासावा नीता कुमारी अजुभाई

जेओरी : जामखोंगम एवं आइरीन

स्तुति : सुशीला की सुरक्षित सर्जरी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। एक छोटे बच्चे एसाब के फ्रैक्चर वाले हाथ की चंगाई के लिए जिसका हाथ तीन बार इलाज के बाद भी ठीक नहीं हुआ परन्तु परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा चौथे बार की इलाज के बाद उसके हाथ को चंगा कर दिया। परमेश्वर ने ओमप्रकाश–स्वप्ना परिवार को कई वर्षों के इंतजार के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद दिया।

प्रार्थना : बसु के लिए प्रार्थना करें जो अपनी दोनों पत्नियों के उसे छोड़ देने के बाद अपने परिवार के 15 सदस्यों की देखभाल के बोझ के कारण गंभीर मानसिक अवसाद और शराब की लत में है, ताकि वह प्रभु के पाए आए और शांति पाए। अपने काम के शेड्यूल के कारण चर्च में जाने में असमर्थ होने के कारण गंभीर तनाव में रहने वाले विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे ईश्वर की कृपा से अच्छी और स्थायी नौकरी पा सकें। अतुल को प्रजनन अंग की कमजोरियों से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। राजकुमार के शरीर से अतिरिक्त पानी को बाहर निकालने के लिए प्रार्थना करें।

नेरवा : इम्मानुएल जेबा एवं संगीता

स्तुति : 5 गाँवों में किए गए अनुवर्ती कार्य के लिए परमेश्वर की स्तुति करें। थाइरा और डुंगलेक गाँव में उनके खिलाफ व्याप्त विरोध के कारण जो विश्वासी चर्च में आने से डरते थे, वे अब चर्च में वापस आने लगे हैं। परमेश्वर की दया से विश्वासी अपने घरों में प्रार्थना करना जारी रख पाए और नेरवा मिशन क्षेत्र में मसीही धर्म के खिलाफ व्याप्त गंभीर विरोध के बावजूद अपने विश्वास में स्थिर हैं।

प्रार्थना : अतुल गाँव के कैलाश और ललित के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से पीछे हट गए हैं और अपनी पत्नियों को चर्च में जाने से रोक दिया है तथा वे शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। प्रार्थना करें कि हमें परमेश्वर की अनुग्रह से सेवकाई के विस्तार के लिए परानू गाँव में किराए पर कमरा मिले। डुंगलेश और गोंड़सा गाँव में व्याप्त विरोध समाप्त होने के लिए प्रार्थना करें। प्रभु से प्रार्थना करें कि वह हमारे मिशनरी परिवार इम्मानुएल और संगीता को एक बच्चे की आशीष दे, क्योंकि वे अपने विवाहित जीवन के 5 वर्षों से संतान प्राप्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

रिकोंगपिओ : ए. शंकर एवं रूथ मैरी

स्तुति : विभिन्न बैठकों के माध्यम से 250 लोगों ने सुसमाचार सुना। इन बैठकों में लगभग 225 आध्यात्मिक ग्रंथ वितरित किए गए। प्रभु ने हमारे विश्वासियों के बच्चों को उनकी अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक लिखने में मदद की। रामकुमार जो गंभीर बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती था चंगाई पाकर ईश्वर की कृपा से घर लौट आया।

प्रार्थना : रिप्पा गाँव के बाग्यानंद को हृदय रोग से मुक्ति मिले। मुरांग गाँव में सार्वजनिक रूप से आस्था स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे लोगों के लिए कि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें और विश्वासियों के समूह में शामिल हों। मिशन क्षेत्र में वीबीएस कार्यक्रमों, महिलाओं की बैठक, सुसमाचार बैठकों के सफल संचालन के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रामपुरम पेड़ाक्का मैथ्यू
श्रीमती ब्यूला सुलोचना जोशुआ
श्री नरेन्द्र कुमार, श्री. शंकर ए.
श्रीशांता कुमार सुधाहरन बी.
श्री एप्रैम मल्लि , श्री. मायिल्सामी जोसेफ टी.
श्री शिवशंकरन / जेबसीलन
श्री येल्मुलवार स्वप्निल रमल
श्री पच्चीगोल्ला प्रवीण

रोहरू : जॉनसन शंकर एवं जेबारानी

स्तुति : जिसने प्रमोद को उसकी सच्ची प्रार्थनाओं के जवाब में एक नया गधा खरीदने में सक्षम बनाया, जब उसके दो गधे, जिनसे वह अपनी आजीविका चलाने के लिए गाड़ी खींचता था, मर गए। आकांक्षा और पूनम को उनकी बुरी आदतों से मुक्ति मिली। बच्चों और युवाओं के शिविरों के सफल संचालन के लिए।

प्रार्थना : विश्वास से पीछे हटे अनूप और संदीप के लिए प्रार्थना करें ताकि वे पश्चाताप करें और परमेश्वर की ओर लौटें। गोविंद के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जिसने अपने बुरे तरीकों के कारण 1.5 लाख रुपये खो दिए, जो उसके पिता के कैंसर के इलाज के लिए रखे गए थे। प्रार्थना करें कि यह पैसा वापस मिल जाए। पूर्णा और स्वप्ना के पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें जो अक्सर बीमार रहते हैं।

करसोग : पवन कुमार एवं प्रभाशिनी देवी

स्तुति : रिया और प्रीति ने सार्वजनिक रूप से यीशु मसीह को प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और विश्वासियों के समूह में शामिल हो गईं। ईश्वर की कृपा से कोट गाँव में 2 नए विश्वासियों के साथ एक नए आराधना समूह की शुरूआत की गई है। थलोगर के दूर गाँव के साथ स्थापित नए संपर्क के लिए प्रभु की स्तुति करें। हमारे मिशनरी बच्चों के लिए जिन्होंने अपने बोर्डिंग स्कूल में अपनी अंतिम परीक्षाएँ पूरी कीं और अपनी छुट्टियों के लिए अपने परिवारों में गए हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि में आएँ। कोट गाँव में हाल ही में शुरू किए गए आराधना समूह के विकास के लिए प्रार्थना करें। प्रभु से प्रार्थना करें कि वे उच्च समुदाय के कुछ समूहों की गतिविधियों पर लगाम लगाएँ जो कई गाँवों में जाकर हमारे विश्वासियों के विश्वास को भ्रमित करते हैं। प्रार्थना करें कि बसंतपुर गाँव के विश्वासियों को चर्च की आराधना में भाग लें।

एक साहसी गवाही

सोनू की पत्नी ममता देवी, जो जम्मू राज्य के नौसेरा मिशन क्षेत्र के थरियाला गाँव में रहती हैं, एक बुरी आत्मा से पीड़ित थी। बुरी आत्मा को भगाने के लिए इस्लामिक बाबाओं से मदद मांगने के बावजूद, उनके प्रयास असफल रहे। अंत में, उन्होंने प्रार्थना के लिए हमारे मिशन क्षेत्र के विश्वासियों की ओर रुख किया। विश्वासियों ने ममता देवी के उद्धार के लिए बहुत प्रार्थना की। 4 अप्रैल को, परिवार ने एक सभा और रात भर की प्रार्थना सत्र के लिए अपने घर पर विश्वासियों की एक सभा की मेजबानी की। रात भर उपवास और प्रार्थना करते हुए, विश्वासियों ने एक अद्भुत चमत्कार देखा, जब बुरी आत्मा ममता देवी को छोड़कर चली गई, जिससे वह सामान्य हो गई। अगले दिन, सोनू और उसके परिवार ने सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु में अपनी विश्वस को स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। इस साहसी कार्य ने गाँव में हलचल मचा दी, कुछ निवासी ईसाई मिशनरियों के खिलाफ एकजुट हो गए और सभी सेवकाई गतिविधियों को समाप्त करने की माँग की। हालाँकि, सोनू ने साहसपूर्वक बात की और बताया कि कैसे यीशु ने उनके परिवार की एक विकट स्थिति में मदद की थी। उनके साहस और गवाही के कारण भीड़ तितर-बितर हो गयी, और चुनौतियों के बीच प्रभु के नाम की महिमा हुई।

जन्मदिन मुबारक

श्री उदिप्ता कुमार बाग
श्रीमती श्यामला शमिनी मैथ्यू
श्रीमती भुक्या झांसीबाई, श्रीमति. नथिया एस.
श्रीमती पुष्पम महेंद्रन

रामपुर : दोऊजापाओ गुइटे एवं फ्लोरेंस

स्तुति : 7 नए गाँवों के 748 लोगों ने सुसमाचार सुना। उनमें से 4 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। युवा प्रशिक्षण सभा, बाल बाइबल क्लब, शिक्षक प्रशिक्षण सभा, महिलाओं की प्रार्थना सभा और बाइबल अध्ययन समूह सफलतापुर्वक आशेजित किए गए। मोतीलाल जो 4 महीने से रक्त कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित था, प्रार्थनाओं के उत्तर में प्रभु ने दर्द को कम किया और चंगाई दी और उसने कलीसिया में गवाही दी।

प्रार्थना : प्रीचा को गर्भाशय को रक्त कैंसर से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि वीरमा और मीना के पारिवारिक समस्शओं का समाधान हो और उनके घर में शांति बहाल हो। मानसिंह के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। सतराम के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों के बीच में दुश्मनी पैदा करता है। स्थानीय सेवकों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में स्थिर रहें और विरोध के बावजूद सेवकाई में तत्पर हों। कसाबड़ क्षेत्र में मसीही कार्यों का विरोध करने वाले गोकुलराम, नंदूलाल, मेनरोम और लायकराम के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

थानेदार : जेबरसन एवं गायत्री

स्तुति : 4 नए गाँवों में 134 लोगों को सुसमाचार का प्रचार सुनाया गया। 52 लोगों ने विश्वासियों के शिविर में भाग लिया। किंगल मण्डली में दो नए विश्वासियों को विश्वासियों की मण्डली में शामिल किए गए। हीरा को शराब की लत से और मंजू को बुरी आत्माओं से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : हमारी योजना अनुसार हमें हर दो महीने में एक बार सभी कलीसियाओं में बुनियादी बाइबल पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित करने में प्रभु हमें सक्षम बनाए। राजकुमार को दुष्ट आत्मा के प्रभाव से छुटकारा मिले। विश्वासियों के लिए आयोजित होने वाले शिविर की आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करें। शांति की बहू की सफलता के लिए प्रार्थना करें जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही है।

सर्प को कुचल दिया जाएगा

पश्चिम बंगाल के तपन क्षेत्र के नकटोकर गाँव में 10 वर्षीय गोलबी मुर्मू रहती है। तीन साल पहले, गोलबी एक दुष्ट आत्मा से पीड़ित हो गई थी, जो उसके माता–पिता और पूरे गाँव के लिए खतरा बन गई थी, जिससे सभी में डर पैदा हो गया था। उसके माता–पिता द्वारा इलाज या भूत भगाने के लिए किए गए अथक प्रयासों के बावजूद, कुछ भी उसकी स्थिति को ठीक नहीं कर पाया। समय के साथ, गोलबी का व्यवहार बहुत आक्रामक होता गया क्योंकि उसके भीतर दुष्ट आत्मा प्रकट हुई, साँप की हरकतों की नकल करने लगी और अपने आस–पास के लोगों को नुकसान पहुँचाने की धमकी देने लगी। जब हमारे मिशनरी ने दौरा किया और अधिकार के साथ प्रार्थना की, शैतानी आत्मा को बांधने के लिए यीशु के नाम का आह्वान किया, तो पीड़ा देने वाली उपस्थिति गोलबी से चली गई। आज, वह एक सामान्य लड़की की तरह रहती है, उस दुष्ट प्रभाव की पकड़ से मुक्त हो गई है। इसके अलावा, गोलबी का परिवार अब मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने की दिशा में विश्वास की यात्रा पर है। इस परिवर्तन और उपचार के लिए सभी महिमा और प्रशंसा परमेश्वर को मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एलिजाबेथ करुणाकरन
श्रीमती डेजी इजराएल डैनियल
श्रीमती गमित सारुबेन कमलेश
सुश्री एलिस शीबा एस.

पंजाब

बुधलाड़ा :

संजीब आनंद एवं प्रस्तुतपति; प्रताप रेहांग एवं रेशमी

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने मसीह यीशु में अपने विश्वास की सार्वजनिक अंगीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए। विश्वासियों के बच्चे सतवीर कौर, सिजल कौर और रमानीथ के लिए जिन्होंने अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा में 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। गुरुप्रीत – बिबिरती कौर, इकबाल सिंह – रानी कमिशनरी के रहने के लिए एक उपयुक्त घर किराचंगादई मिलने के लिए प्रौर के परिवारों में कई वर्षों से चल रहे कलह और मतभेद को प्रार्थना के द्वारा सामाधान हुआ। चर्च में नए आने वाले – करण, वीरपाल और लक्षु प्रभु के प्रति विश्वास और ज्ञान में बढ़ रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मंडीकलां क्षेत्र में सेवा करने के लिए मिशन कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो तथा हमारे र्थना करें। साधना और सुनील, जिन्होंने पूर्णकालिक सेवकाई के लिए समर्पित है, उपयुक्त मिशन क्षेत्र में नियुक्त किए जाएं। डुंगवली गाँव के गुणमंत को गले के कैंसर से चंगाई मिले। आगामी विश्वास अंगीकार कार्यक्रम, वीबीएस और सत्संग सभाएँ योजनानुसार आयोजित की जा सके और फलदायी हों।

अहमदगढ़ मंडी :

कृपा रक्षणा एवं शकिना

स्तुति : कवुनेराणा गाँव के गुरप्रीत और अमीरथपाल नए–नए विश्वास में आए हैं। हमारे विश्वासियों के बच्चों सीफनी, करण और जेसी ने अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रेमजीत कौर और बोले कौर ने पश्चाताप करके वापस प्रभु के पास आ गए हैं। किडनी की समस्या से पीड़ित सुंदरपॉल ने 40 दिन तक उपवास प्रार्थना की। प्रभु ने प्रार्थना स्वीकार की और अपने दिव्य स्पर्श के द्वारा उसको चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना : प्रीति को ईश्वरीय सांत्वना मिले जो अपने नवजात शिशु को खोने के कारण दुःखी है। प्रभु गुरप्रीत की प्रार्थनाओं का उत्तर दें जो 15 साल के बांझपन का शिकार है, संतान की आशीष मिले। बाल सभा, युवा सभा और छोटी प्रार्थना सभाओं का सफलतापुर्वक संचालन हो सके। इन कार्यक्रमों के संचालन के लिए शिक्षित युवाएँ आगे आएँ। जानी–रानी के परिवार में मौजूद मतभेदों प्रार्थना के माध्यम से सुलझाया जा सके और उन्हें प्रभु द्वारा दी जाने वाली शांति का अनुभव प्राप्त हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन सुन्दर सिंह
श्री दीप्तिलाल माली, सौ. एंजेलिन ग्रेस डी.
श्रीमती थिलगावती नागराजन
श्रीमती सौन्दर्य रेखा व्यासु बाबू

उत्तराखंड

किच्छा : बिभाबा पानी एवं बितिका पानी

स्तुति : 3 नए गाँवों और 7 पुराने गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया जहां पहले से ही सेवकाई का कार्य चल रहा था। लोगों के बीच सुसमाचार प्रचार करने के लिए दरवाजे खोलने के साथ–साथ प्रार्थना सभाओं का आयोजन भी किया गया। डोरेडम क्षेत्र में श्री पूरन सेवकाई में हमारी मदद कर रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि श्रीमती गुरुचरण की जमीन अच्छे दाम बिकने पाए। प्रार्थना करें कि श्री आकाश के परिवार की विश्वास में मजबूत हों। प्रार्थना करें कि उत्तराखंड में सेवकाई में बाधा डालने वाले धर्मांतरण विरोधी कानून बदलने पाए ताकि हम किच्छा क्षेत्र के 95 गाँवों तक सुसमाचार पहुँचा सकें। पहाड़ी (कुमाऊँनी) समुदाय के बीच सुसमाचार प्रचार के लिए दरवाजे खुले। हमारे सभी प्रवासी विश्वासियों को उनकी विश्वास में आगे बढ़ने और सुरक्षित वापस आने प्रार्थना करें।

मलघनचौर : शिशुपाल एवं अनीता

स्तुति : देवीपुरा और गठियापुर गाँवों में 720 लोगों तक सुसामचार पहुँचाया गया। उन आठ लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने यीशु मसीह के द्वारा नया जीवन अनुभव किया। गारिनगी गाँव में प्रजापति जन समूह के लिए आराधना समूह शुरू किया गया। हरजीत और मजीत का परिवार डेढ़ साल बाद मसीह के द्वारा एकजुट हुआ। विजय कुमार को प्रार्थना के माध्यम से मुँह के कैंसर से तेजी से ठीक हो रहा है। परमेश्वर की कृपा से हम मोहन नगर में क्षेत्र स्तरीय युवा शिविर आयोजित कर सके।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि खरेलापुर में आराधना सेवा बिना किसी व्यवधान के जारी रहे। अंचल को बुरी आत्माओं से मुक्ति मिले। संजना, पुओज, भगवान सिंह, राजवतो कौर, पुशो कौर, मनदीप और जुसलो कौर के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

हरियाणा

जीवन नगर : एलियाकिम जेना एवं दीपिका

स्तुति : उन 4 व्यक्तियों के लिए प्रभु कलीसिया में शामिल हुए। 18 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। सोनू और प्रीति के नवजात शिशु के लिए जो गंभीर स्थिति में था, परन्तु परमेश्वर की कृपा से ठीक हो गया और सुरक्षित घर लौट आया।

प्रार्थना : ठिकथाना गाँव की वीरपाल कौर को दुष्टात्मा के प्रभाव से मुक्ति मिले। शांति नगर और दबावली गाँवों में नए खोले गए सहायता केंद्रों के लिए प्रार्थना करें कि सुसमाचार का प्रचार तत्परता से किया जाए। ओटी – रानपुट जन समूह के युवाओं तक पहुँचने के लिए किए गए प्रयासों के फलवन्त होने के लिए प्रार्थना करें। सत्संग कार्यक्रमों और महिलाओं तथा युवाओं के लिए नियोजित शिविरों के सफल संचालन के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती कोईल पुष्पम पॉलराज
श्रीमती जोसिला सुन्दरीबाई बेनहूर वाई.
श्रीमती सेल्वम्मल सेल्वाराज
श्रीमती सगारिका प्रधान परिच्छा

रतिया : कार्तिकेयन एवं जयंती

स्तुति : 7 नए लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और उन्हें चर्च में शामिल किए गए। हमारे मिशन क्षेत्र में आयोजित 3 दिवसीय उपवास प्रार्थना सभा में कई विश्वासियों ने भाग लिया और अपने लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। परमेश्वर की कृपा से आयोजित युवा शिविर में 60 युवाओं ने भाग लिया। सतपाल कौर को गर्भाशय की लम्बी बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : परमजीत कौर की लीवर की समस्या से चंगाई मिले। डिंकू और पप्पी को शराब की लत से छुटकारा मिले। शिमला रानी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो चलने में असमर्थ है। सतपाल कौर और मंजू को संतान की आशीष मिले। प्रार्थना करें कि पूजा और आशा को उपयुक्त अच्छा जीवन साथी मिल सके। बबली को लीवर की बीमारी से चंगाइ मिले।

राजस्थान

समरानिया : मीनुगा अड़ेप्पा मैथ्यू एवं रामपुरम पेड़ेक्का आशा

स्तुति : बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़ी हुई पथिसिकरी गाँव की 9 वर्षीय राधा को उपचार के बिना ही चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली है और अब ईश्वर की कृपा से चलने और खाने में सक्षम है। इस चमत्कार के कारण, बिलाला समुदाय के लोगों के लिए प्रभु को जानने और मसीह में विश्वास करने का एक अच्छा अवसर है। 10 परिवारों के लोग ईश्वर की कृपा से नियमित रूप से अपने घरों में प्रार्थना और सुसमाचार साझा करने के लिए मिलते हैं। गोरी गाँव में कई आत्माओं को मसीह की ओर ले जाने और उनके राज्य के विस्तार के लिए प्रभु की स्तुति करें।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सुसमाचार की घोषणा के साथ बिलाला समुदाय में आध्यात्मिक फल प्राप्त हों। हमारे स्वयं सेवक कैलाश को गुर्दे की पत्थरी सं चंगाई मिले और वह अपनी सेवकाई उत्साहपूर्वक जारी रखे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर अनिता–राठे परिवार को एक संतान प्रदान करे। प्रार्थना करें कि गोरी गाँव में चल रहे चर्च निर्माण कार्य ईश्वर की महिमा के लिए सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

मेरा परमेश्वर उद्धारकर्ता

झारखंड के महारो फील्ड के चट्टारा गाँव में लीवर की सूजन, पेट में तेज दर्द, उल्टी और सीने में जलन के कारण पूजा को एक सप्ताह के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जब वह महिला मिर्गी से पीड़ित होकर रातों की नींद हराम करने के कारण घर लौटी, तो वह घर से बाहर निकल गई और ऐसा व्यवहार करने लगी जैसे वह मानसिक रूप से बीमार हो। हमारे मिशनरियों ने उसके घर पर उपवास और प्रार्थना करके एक सप्ताह तक उसके उद्धार के लिए प्रार्थना की। परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी और वह चमत्कारिक रूप से चंगी हो गई और अब वह मानसिक बीमारी और मिर्गी से ठीक होकर अच्छी नींद सो रही है, कलीसियाई आराधनाओं में भाग लेती है और प्रभु की गवाही देती है! हलेलुयाह!

जन्मदिन मुबारक

श्री पॉल रवि राज बीएन., श्री थॉमस आर.
श्री नागराजन एम., सुश्री. शैतुल
श्रीमती राजेश्वरी प्रधान शंभुनाथ
श्रीमती नेत्रवती मुथु कुमार
श्रीमती पॉलिन मैरी भूपति

हनुमानगढ़ : मुधावथु राजू नायक एवं भुक्या झाँसी

स्तुति : प्रभु ने हमें एक व्यक्ति को मसीह में उद्धपरमेश्वर की अनुग्रह से अपने घरों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम हुए। ईसाई धर्म में आने से पहले, मानसिंग ने अपने खेतों में जो ट्यूबवेल खोदे थे, उनसे पानी नहीं मिल रहा था। लेकिन आज उसने ईश्वर की महिमा के लिए, प्रार्थना और विश्वास के साथ एक नया ट्यूबवेल खोदा और उसमें बहुत कम गहराई पर पानी आ रहा है। हमारे हेतु वीजा प्राप्त हुआ।

प्रार्थना : गोकुलभाई के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास से पीछे हट हट गया है, पश्चाताप करे और प्रभु के पास वापस आए। सुक्कमन के लिए NEET में सफल अंक प्राप्त करने और मेडिकल सीट सुरक्षित करने में सक्षम होने के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर विनोद के प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि वह अपनी बेटी की शादी एक मसीही व्यक्ति से करवा सके। सोनी के लिए प्रार्थना करें जो अपनी शादी की तैयारी कर रही है, सीने में अचानक उठे दर्द से पूरी तरह ठीक हो जाए। मेघा सिंह के बेटे और बहू के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

खेरवाड़ा : देवुभाई भोया एवं जामू बेन

स्तुति : 36 नए लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और उन्हें चर्च में शामिल किए गए। 4 गाँवों में जीज़स फिल्म दिखाई गई और सुसमाचार सुनाया गया। मिशनरी शेफाली हंसदा के यहाँ एक बच्चे का जन्म हुआ है। पडुना गाँव में पहली बार एक मसीही विवाह संपन्न हुआ। रामपुर की मनीषा जीतू को 7 साल के इंतजार के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद मिला है। दरयाती गाँव का पर्वत जो 4 महीने से लापता था, हमारी प्रार्थना के बाद सुरक्षित घर वापस आ गया। गंभीर मानसिक अवसाद से पीड़ित नारायण को प्रार्थनाओं के उत्तर में चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बलिचनंद और हेरावाड़ा मण्डलियों द्वारा सामना किए जा रहे विरोध समाप्त हो और विश्वासियों को पीड़ा में भी आशा प्राप्त हो। छाती में तेज दर्द से पीड़ित बरूथी के संजय की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर नारायणमधा, कुशा, सुमित्रा, करिश्मा, जूली, निर्मला और वाजा परिवार को संतान सुख प्रदान करे जिसका वे कई वर्षों से धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे हैं। प्रार्थना करें कि धनोई, नया तालाब, नानोदा, काया और बारापाल गाँवों में नई आराधना सेवाएं शुरू की जा सके। कई लोग जो राक्षसी हमलों और बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें यीशु मसीह के लहू के द्वारा छुटकारा मिले।

उदयपुर :
आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति : 2 नए गाँवों के 160 लोगों ने सुसमाचार सुना। खरियापाला गाँव की मण्डली के लोग खुले दिल से रविवार को परमेश्वर की कृपा से दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिली। रश्मि ने सुरक्षित प्रसव के द्वारा ऐ बच्चे को जन्म दी। गीता और राजकुमार को कैंसर से दैवीय उपचार प्राप्त हुआ। पेट के तीव्र दर्द से पीड़ित ललिता को प्रार्थना के माध्यम से ठीक चंगाई मिली।

प्रार्थना : हमारे स्थानीय प्रचारकों के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु कई परिवारों को मसीह के पास लाने के लिए शक्तिशाली ढंग से उपयोग करे। रक्तस्राव की समस्या से पीड़ित एक नई विश्वासी गीता की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। वासाला चर्च में चल रहे निर्माण कार्य के षीघ्र पूरा होने के लिए प्रार्थना करें जिसका कार्य नींव स्तर तक पूरा हो चुका है। 8 वर्षीय पूर्णिमा के लिए प्रार्थना करें जो सुनने में अक्षम है, ताकि उसकी सुनने की शक्ति वापस आ सके।

उत्तर प्रदेश

गोंडा बाल भवन : **ओमप्रकाश गुप्ता एवं तुम्पा चौधरी**

स्तुति : हमारे छात्रावास के बच्चों के लिए आयोजित नियमित आध्यात्मिक बैठकों और बाइबल अध्ययन कक्षाओं के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। सुसमाचार साझा करने के लिए हमें कई नए गाँवों में जाने का अवसर मिला। हमारे छात्रावास के सभी बच्चों ने अपनी वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें अगली कक्षा में पदोन्नत किया गया। हमारे छात्रावास के बच्चे जो फ्लू, त्वचा की एलर्जी आदि जैसी विभिन्न बीमारियों से पीड़ित थे, उन्हें चंगाई मिली। हमारे छात्रावास में वीबीएस शिक्षक प्रशिक्षण के सफल संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। तिलखाई, खेराओरा, संभुतारा, कुकुरभोकवा, भलुआ, गंगावल बाजार और नाथ नगर क्षेत्रों में हमें सुसमाचार साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ।

प्रार्थना : निशि बाबू और सुमित के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हो। विद्या राम की माँ के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो शैतानी शक्तियों के बंधन में है। मिशनरी के ससुराल वालों की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जो उनके ससुर की मृत्यु के कारण शोकित हैं। अभिषेक और देव को बवासीर और रक्तस्राव से चंगाई मिले। दीपक को उसकी हर्निया की समस्या से छुटकारा मिले। छात्रावास भूमि से संबंधित चल रहे मुकदमे को लखनऊ उच्च न्यायालय की ओर से अनुकूल निर्णय आने के लिए प्रार्थना करें। हमारे घर में उच्च रक्तचाप से पीड़ित एक वफादार सहायक सुन्दरलाल के उपचार के लिए तथा मिशनरी की पत्नी को घुटने के दर्द सं चंगाई मिले जो पिछले एक वर्ष से सी.एम. सी. में उपचार करवा रही है।

जन्मदिन मुबारक

श्री मोंगवाई फोम बी.
श्रीमती प्रिंसी सामपॉल
श्री वासवा थॉमसभाई गुलाबभाई
श्रीमती मधुस्मिता पानी
श्री अजित पांडियन जी.

घाटमपुर :
जंगखोलुन तोथांग एवं न्गैथियनचिंग

स्तुति : विरोध के कारण एक साल से बंद पड़े बावन गाँव के चर्च को गुड फ्राइडे के दिन फिर से खोल दिया गया और नियमित सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। गुड फ्राईडे के दिन बहुत से विश्वासी आए और आराधना में शामिल हुए। सरसौल गाँव में ईसाई धर्म के कट्टर उत्पीड़क रहे जगदीश ने पश्चाताप किया और अब वह एक बदला हुआ व्यक्ति है, विश्वासियों के साथ दोस्ताना व्यवहार करता है और यहाँ तक कि हमारे चर्च की सेवा में भी शामिल होता है। हमारे स्वदेशी कार्यकर्ता अशोक कुमार जो अपने दोपहिया वाहन से गिर गए थे, उपचार के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना : घाटमपुर गाँव में सुसमाचार प्रचार सेवा के लिए प्रार्थना करें। हमारे तीन विश्वासियों पर लगाए गए झूठे मामले से मुक्ति पाने के लिए प्रार्थना करे जिसका मुकद्दमा न्यायालय में लम्बित है। हमारे तीन चर्च उत्पीड़न के कारण बंद हैं, प्रार्थना करें कि वह फिर से खुलने पाए। बीना को उस पर लगाया गया झूठे आरोपों से मुक्ति मिले। हमारे विश्वासियों के घरों में संचालित गृह प्रार्थना समूहों के सुचारू रूप से चलने और परीक्षण के समय हमारे विश्वासियों का विश्वास में दृढ़ रहने के लिए प्रार्थना करें।

कानपुर क्षेत्र : मोंगवाई फोम एवं निशा फोम

स्तुति : हम 14 गाँवों में 1671 लोगों तक यीशु मसीह के सुसमाचार को पहुँचाने में सफल रहे और 33 लोगों ने मसीह यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया तथा प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। हम क्षेत्रीय स्तर पर 3 चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण, 2 युवा सभाएँ, 9 महिला सभाएँ, 5 साधक शिविर और 3 दिवसीय प्रचारक परिवार सम्मेलन आयोजित करने में सफल रहे। हमारे गोंडा होम के बच्चे निशु बाबू और सुमित कुमार 12वीं की सार्वजनिक परीक्षा में प्रथम स्थान पर उत्तीर्ण हुए। प्रार्थना के माध्यम से हमारे प्रचारक श्री कमल की माँ को चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों के बच्चों के लिए योग्य मसीही जीवन साथी प्राप्त हो। बहुआ, जहानाबाद, घाटमपुर, बावन और महेना गाँव के चर्चों में बाराधना सेवा आयोजित करने में आ रही बाधाएँ दूर होने के लिए प्रार्थना करें जिन्हें सुसमाचार के विरोधियों द्वारा बनाया गया था। हमारे प्रचारक श्री श्यामसुंदर, श्री जय लाल और हमारे मिशनरी रेव्ह. जंगखोलून थौतांग के खिलाफ चल रहे अदालती मामलों के रद्द होने के लिए प्रार्थना करें। प्रेम नगर में यादव लोगों के लिए आयोजित सत्संग सभा में अपेक्षित फल मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि भरपुड़ा और राजपुर मण्डलियों में बाराधना सेवा को फिर से शुरू किया जा सके। मिशनरियों और प्रचारकों के परिवारों को परमेश्वर अत्यधिक गर्मी और बीमारी से सुरक्षित रखे।

जन्मदिन मुबारक

श्री गेड्डाम श्रीनिवास राव
श्रीमती जेबारानी जॉनसन शंकर
श्रीमती सगारिका मोहिनीमाला बीरो

सिकंदरा :

पाचिया भाई एवं सविता बेन

स्तुति : 130 लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया तथा एक और नए गाँव में भी पहुँचाया गया। नरसिंहपुर गाँव की हमारी विश्वासिनी श्रीमती मुन्नी देवी को निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा प्राप्त हुई जो अज्ञात बीमारी से पीड़ित थीं तथा अपनी खराब वित्तीय स्थिति के कारण इलाज कराने में असमर्थ थीं। प्रार्थना करें कि सिकंदरा चर्च के भूस्वामियों को उनके निर्णय पर दृढ़ रहने में सक्षम हुए जब विरोधियों ने उनसे भूमि वापस लेने तथा समस्याएँ पैदा करने के लिए संपर्क किया। शाहनीपुर और अलियापुर गाँवों में महिला शिविर आयोजित करने में परमेश्वर ने हमारी सहायता की। परमेश्वर ने राजपुर, निनोहरा, जमुवा और अंतपुर गाँवों में बाइबल अध्ययन आयोजित करने में हमारी सहायता की। श्रीमती फूलमती को उनकी चोट से और श्रीमती संतोषी को उनकी बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि भदपुरा और राजपुर मंडलियों में पुनः आराधना सेवा आरंभ हो। बलहरामऊ और शैनीपुर मंडलियों के विकास और विस्तार करने के लिए प्रार्थना करें। आलोक कुमार और हिमांशु को शराब की लत से मुक्ति मिले। धनराज को बीमारी से, उर्मिला को पेट के फोड़े से और बनेश को गुर्दे के संक्रमण से चंगाई मिले।

मध्य प्रदेश

अलीराजपुर : सोमाभाई वी. गंगोड़ा एवं नीरू बेन

स्तुति : 7 नए गाँवों में 340 लोगों ने सुसमाचार की घोषणा सुनी। इन नए लोगों के लिए जो अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति में बहुत रुचि दिखाते हैं, और मसीह को स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं। रंगीताबेन को उसके शरीर के दर्द और बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि वावी, बिलजारी और पिपरिया गाँवों में नई प्रार्थना सभाएँ शुरू की जाएँ। चन्नोटा गाँव में आयोजित होने वाली विश्वास की अंगीकार सभा की तैयारियों तथा 12 व्यक्तियों को अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए विश्वास और सच्चाई के साथ तैयार होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि सुसमाचार और मसीही धर्म का विरोध करने वाले धार्मिक कट्टरपंथी समूहों को हमारे प्रभु के प्रेम से स्पर्श किया जाए। मनीषा उगेश को संतान की आशीष मिले।

धार : संतु मरांडी एवं रॉकी मरांडी

स्तुति : करोंडिया और भौंतलाई गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 69 नए लोगों ने यीशु मसीह का सुसमाचार सुना। बांडीखार, सेमल्दा, खार और सुंद्रेल गाँव में व्यवस्थित रूप से बाइबल अध्ययन समूह संचालित किए जा रहे हैं। तातपानी गाँव के जितेन के भाई को क्षय रोग से चंगाई मिली। 9 वर्षीय बादल और उसके चाचा, जो मोटरसाइकिल से गिर गए थे, मामूली चोट के साथ चमत्कारिक रूप से बच गए। 6 महीने से अधिक समय से गंभीर अस्थमा से पीड़ित अजनई गाँव की रेखा को प्रभु ने चंगाई दी।

प्रार्थना : सुसमाचार प्रचार के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन और उमरबन और मनावर तहसील क्षेत्र में सुसमाचार के प्रचार के लिए द्वार खुले। बिहारी और उसकी पत्नी के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने यीशु मसीह में अपना विश्वास त्याग दिया है ताकि वे पश्चाताप करें और प्रभु के पास वापस आएं। जीराद गाँव की पूजा एक नई महिला है जो गर्भावस्था के दूसरे महीने में बहुत कमजोर है, प्रार्थना करें कि उसका सुरक्षित प्रसव हो सके। घुटने के तीव्र दर्द और शराब की लत से पीड़ित मंजू को उसकी बीमारी और बंधन से मुक्ति मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लालमणि दिगल

बिहार

रानीगंज : आनंदन एम. एवं निशा

स्तुति : मुसाहर लोगों के समूह के बीच हो रही सेवा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। पैसा गाँव में रविवार की आराधना में मुसाहर लोग नियमित रूप से भाग लेते हैं। मंथोश की पत्नी अंजलि के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। हाल ही में हरदा गाँव का मिशन दौरा किया गया। पिंकी के लिए प्रार्थना करें जो इस गाँव से हमारे सम्पर्क में नई है परमेश्वर अन्य लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने में इस्तेमाल कर रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि माजगामा गाँव की प्रियंका देवी के गर्भाशय की कमजोरी दूर हो। सचिन कुमार को भूत–प्रेत के चंगुल से मुक्ति मिले। कशबा क्षेत्र में जहाँ मुसाहर लोग बहुत अधिक संख्या में निवास करते हैं, वहाँ कुछ नए संपर्क स्थापित हों। प्रार्थना करें कि कशबा, झालगर, श्रीनगर और धमधा गाँवों में सुसमाचार का द्वार खुले। प्रार्थना करें कि मुसाहरों को अपने ही गाँवों में उपयुक्त रोजगार की सुविधा प्राप्त हो। हमारे नए संपर्क में आए पिंकी के माध्यम से हरदा गाँव में सुसमाचार की बाढ़ आए।

असम

जोनाई : सुनील प्रसाद एवं जॉय बेल्ला

स्तुति : सुसमाचार की घोषणा के लिए बोरांग और डेलीजिंग गाँवों में द्वार खुला। लाईमकपुरी गाँव में आराधना सेवाओं में नए लोग शामिल हो रहे हैं। कई विश्वासियों ने तीन दिवसीय उपवास प्रार्थना सभा में भाग लिया। हमारे विश्वासियों के आध्यात्मिक विकास के लिए 4 गाँवों में बाइबल अध्ययन समूहों का सफलतापुर्वक संचालन किया जा रहा है।

प्रार्थना : रीमा–सिनीराम डोलाई के परिवारों की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो लंबे समय से बीमार हैं और पवित्र आत्मा उन्हें चर्च की ओर ले जाए। शराब की लत में फंसे चर्च के अगुवों को इस बुरी आदत से मुक्ति मिले। लोलादिमा, लोलिथा, धवमल, बोंडी धोलाई परिवार, सिथमनोई, बनोड़ी, पुष्पा पेगु परिवार, कनापारी, जोशना और जोथी बोरी परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

गोहपुर : नातान कुमार बेबरता एवं निरुपोमा बेबरता

स्तुति : दो लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया। हमारे सेवकाई के विकास और वृद्धि के लिए हमारे प्रचारकों और स्वयंसेवकों के प्रयासों को आशीर्वाद देने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। परमेश्वर ने हमारी मिशनरी की बेटी नैन्सी को उसकी सभी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : हमारे स्वयंसेवक श्री लीलाकांता पाचुंग को उसकी बीमारी से चंगाई मिले। सुश्री सुनिया मिली के पिता के लिए प्रार्थना करें कि वह यीशु मसीह को स्वीकार करे क्योंकि वह यीशु मसीह में उनके विश्वास का विरोध करता है। स्वयंसेवक श्रीमती नुनु पेगु, चर्च के अगुवे निरोंजीत, विश्वासी राजा कुटुम, सिबोसन, जूरी और सोनाई पेटगिरी परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान की आशीष प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि गोरमेटी गाँव के विश्वासियों को प्रभु की आराधना करने के लिए उपयुक्त स्थान मिले। प्रार्थना करें कि सेधी पाटिरी और नोतुन सुयाली को पक्षाघात से, राजा को सांस की समस्या से, एप्पल पेगु को मस्तिष्क की समस्या से, मोधुफुल कारी, फुलेश्वर पेगु को गैस्ट्रिक समस्या से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती इनास आइलिन चंद्रन
श्रीमती पुनीता मेनराज, श्री. पोन्नुसामी एस.
श्री अरुलानंदम वेंकटेशन एम.
श्रीमती लता इसहाक धनासिंह
श्रीमती मरियाल कुमरावेल, श्री. ज्योति पेगु
श्रीमती एल्वी इवांजेलिन हैरिस
श्री डेविड एस., श्री. देबदत्ता लीमा
श्री होसेन जेराई, सुश्री. सेल्वी बर्धन

झारखंड

अमलागाछी : गजेन सम्प्रामेरी एवं रोज़िला मोसाहरी

स्तुति : 4 व्यक्तियों ने प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और अपने विश्वास की सार्वजनिक अंगीकार किया। एक विश्वासी की पवित्र वैवाहिक सेवा आयोजित की गई, जिससे अन्य लोगों को विवाह संपन्न करने का यह ईश्वरीय तरीका सीखने में मदद मिली। प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और LE पाठ्यक्रम विकसित किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जो लोग अपने जीवन में प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करते हैं, वे विश्वास और मसीही परिपक्वता में आगे बढ़ें। हमारे गाँव के तालाब में फिर से पानी भर जाए क्योंकि यह अब पूरी तरह से सूख चुका है। प्रार्थना करें कि चनपहार गाँव में शुरू की गई नई गृह आराधना सेवा प्रभु में लगातार बढ़ती रहे। इस क्षेत्र में पानी की कमी दूर हो और चिलचिलाती गर्मी से ईश्वर की सुरक्षा मिले। परमेश्वर के वचन को सुनने वाले लोगों के जीवन में पवित्र आत्मा के कार्य के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें समझ और विश्वास की ओर ले जाए।

जामा : मुन्ना मोहिनदियार एवं सुमितादास

स्तुति : 17 गांवों के लगभग 1950 लोगों ने सुसमाचार सुना और आशीर्वाद प्राप्त किया। उनमें से 21 ने मसीह को अपने जीवन में स्वीकार किया और विश्वासियों के समूह में शामिल हो गए। दो परिवारों को ग्रामीण मिशन प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें कैरावानी में रखा जा रहा है और दूसरे परिवार को स्वैच्छिक प्रशिक्षण से गुजरना है। हमारे उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने चर्च के निर्माण के लिए दो स्थानों पर अपनी जमीन दान दी।

प्रार्थना : उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो मौसमी काम के कारण पलायन कर गए हैं ताकि वे अपने विश्वास की सुरक्षा कर सकें। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास के कारण उत्पीड़न का सामना करते हैं ताकि वे प्रभु में मजबूत बने रहें। स्थानीय प्रचारकों के लिए प्रार्थना करें कि वे बाइबल की समझ में आगे बढ़ें। हमारे मिशनरियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बाइबल कक्षाएं सुचारू रूप से चलती रहें।

परमेश्वर अथाह कार्य करता है!

झारखंड के महारो फील्ड के मेसिलिटी गाँव की 65 वर्षीय संबरी देवी ने तीस साल पहले एक बीमारी के कारण अपने 8 साल के बेटे को खो दिया था। वह मानसिक रूप से बीमार हो गई थी। उसके पति ने उसे छोड़ दिया था। वह हर जगह भटकती थी और वह एक अशुद्ध आत्मा से पीड़ित थी, अक्सर कब्रिस्तानों में रहा करती थी। उसे कई तांत्रिकों के पास ले जाने के बावजूद, कुछ भी मदद नहीं मिली। मण्डली के परिवार ने उससे मुलाकात की और उसे सुसमाचार सुनाया। वे उसके उद्धार के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करते रहे। उनकी प्रार्थना सुनकर, परमेश्वर ने दया दिखाई। शैतान के खिलाफ 30 साल का संघर्ष धीरे-धीरे कम हो गया, और अब वह पूरी तरह से मुक्त हो गई। वह पिछले ईस्टर पर विश्वास के बयान के लिए मण्डली में शामिल हुई। परमेश्वर की महिमा हो!

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉनसन शंकर आई.
श्रीमती सुशीला विजयकुमार
श्री बिनीत प्रसाद बर्धन
श्री एलिया चंद्रन एस.

टेलो :

अरुलानंदम एवं लिसा

स्तुति : 42 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और चर्च में शामिल हुए। रोन्सारा गाँव की मीलिमा मुर्मू को दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिली और वह अपनी परीक्षाएँ अच्छे से लिख पाई। तालापुरी गाँव की काली भक्त सुहागिनी अपने घर में पूजा करते समय बेहोश हो गई। लगभग 3 घंटे बाद, जब हमारे विश्वासियों ने प्रार्थना की, तो उसे होश आया। जीरूल गाँव में एक नई बाराधना केंद्र स्थापित की गई है। परमेश्वर ने दुर्घटना के कारण कंधे की हड्डी के फ्रैक्चर से मुरुबी को चंगाई दिया। ट्रेन में यात्रा करते समय आग लगने की दुर्घटना में सुनील सोरेन को परमेश्वर ने सुरक्षा प्रदान किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सुहागिन बास्की को दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिले और उसका परिवार एक उद्धार के विश्वास में आए। मरकस हेमरोम के परिवार के सांत्वना के लिए जो डूबने की दुर्घटना में अपने दो बच्चों को खोने से बहुत दुखी हैं। डिडिरिया, दुदुवा और रंगमाटियो गाँवों में चल रहे चर्च निर्माण की सफल प्रगति के लिए प्रार्थना करें। पुरोमिला हंसदक को मुँह के कैंसर से चंगाई मिले। तांत्रिक संजली मुर्मू, मसरंगुरी हंसदक, लुकीराम मुर्मू, हबु किस्कु के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार कार्य का विरोध करते हैं ताकि वे हमारे प्रभु यीशु मसीह के उद्धार का अनुभव कर सकें।

लालमटिया :

अमारेन्द्रन एवं गौरम्मा

स्तुति : 10 गाँवों में आयोजित सुसमाचार सभाओं, 5 स्थानों पर जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग और 1372 लोगों तक यीशु मसीह के सुसामचार को पहुँचाने में प्रभु ने हमारी सहायता की। उनमें से 13 लोगों ने सुसमाचार सुनकर मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। 3 नए परिवार चर्च की आराधना सेवाओं में शामिल हो रहे हैं। मोंगल मरांडी को हमारे स्थानीय प्रचारक के प्रार्थना के द्वारा सीने में तेज दर्द से राहत मिली। पुलबेलराव को मस्तिष्क मलेरिया से, बेलासी मुर्मू को सीने में दर्द से और जिरली गाँव की सिवानी को परमेश्वर की कृपा से निरन्तर सिरदर्द से राहत मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासी सुरेंद्र मरांडी को उनके शरीर के दर्द से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि एलिजाबेथ, संजुला मुर्मू और प्रदीप को टीबी से, बबली बास्की और थलाबाबू को मानसिक अवसाद से, रोशन टुडु, जोहान मिर्था को मिर्गी से, बिटिबाई को पैरों की सूजन से, बिदिया मरांडी को सुनने की अक्षमता से, पिरादोन मरांडी को पैर की हड्डी के फ्रैक्चर से चंगाई मिले। तांत्रिक दिलीप हेमरोम और सिबलाल मड़ैया के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार के काम में बाधा डालते हैं, ताकि वे हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चख सकें।

जून
17
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री एडविन सेल्वाराज आर.
श्री राजदुरई एन., सुश्री कविता

नोनिहाट : **एम. बेनहर एवं मैरी जांसी रानी**

स्तुति : परमेश्वर का वचन सुनने के लिए 31 गाँवों में लगभग 2350 लोग एकत्रित हुए। उनमें से 23 ने यीशु मसीह में अपना विश्वास स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। 75 लोगों ने आत्मा ओं को जीतने की प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। 11 गाँवों में यीशु मसीह का फिल्म दिखाई गई। प्रार्थना के उत्तर में तांत्रिक मुर्मू की गाय जो भटक गई थी, उसे अच्छी हालत में पाया गया। परमेश्वर की महिमा के लिए 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थना : 2 वर्षीय अभिषेक के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो 4 महीने से अधिक समय से क्षय रोग के कारण पेट में सूजन से पीड़ित है। तांत्रिक विजय मरांडी और मूला हंसदक के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि डेविड की उच्च शिक्षा जारी रहे। प्रार्थना करें कि पुथन चर्च के नवनियुक्त चर्च प्राचीन सतका हंसदक अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर सके। प्रभु कलीसिया के 2 प्राचीनों के परिवारों और एक युवा के परिवार का शक्तिशाली रूप से उपयोग करें, जिन्हें मिशनरी के रूप में इस क्षेत्र से एक नए क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है।

महारो : **इम्मानुएल कार्ति एवं ज्योति लक्ष्मी**

स्तुति : उन 198 लोगों के लिए जिन्होंने सुसमाचार सुना। नयाड़ी गाँव के दुखन पुजहर के जीवन की रक्षा करने और उसे ठीक करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें, हालांकि उसके सिर में चोट लगी थी और उसका कंधा जन्म से ही टूटा हुआ था, जब वह दुर्घटना का शिकार हुआ था। दो साल के लगातार प्रयासों के बाद तीन गाँवों में जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग के लिए द्वार खुला, विशेषकर कुरुम्टोन गाँव में।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नयाड़ी गाँव के नेता परमेश्वर की शक्ति को देखें क्योंकि वे 5000 रुपये का जुर्माना लगाने के साथ–साथ गाँव से उन सभी लोगों को बहिष्कृत करने का संकल्प लेकर सेवकाई का विरोध कर रहे हैं जो यीशु मसीह को स्वीकार करते हैं। मालती देवी, उनके पिता सिरवा पुजाहर और उनके छोटे भाई को कुष्ठ रोग से चंगाई मिले। परमेश्वर हमारे विश्वासियों और प्रचारकों के परिवारों को भीषण गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों से बचाए। महिलाओं, युवाओं और विश्वासियों के लिए निर्धारित आगामी शिविरों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। हमारे चर्च के अगुवों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हों क्योंकि वे हर साल नौकरी की तलाश में पलायन करते हैं जिससे स्थानीय कलीसियाएँ प्रभावित होती हैं।

माण्ड्रो : **हिजाम कैनेडी एवं होजन लिनथोइबी**

स्तुति : उन 15 लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने प्रभु से उद्धार प्राप्त किया और कलीसिया में शामिल हुए। परमेश्वर ने हमें चर्च एल्डर प्रशिक्षण, प्रार्थना समूह के अगुवों का प्रशिक्षण, युवा अगुवों का प्रशिक्षण, पुष्टिकरण कक्षा और बाइबिल अध्ययन कक्षा आयोजित करने में हमें सक्षम बनाया। मांघी और बालाजोर मण्डलियों में चर्च निर्माण कार्य में प्रगति हो रही है। मानुएल टुडू और हेलेन मरांडी को फ्लू से, फुलकुमारी को कुत्ते के काटने से, तालाकुड़ी मुर्मु और रानी मरांडी को सीने के दर्द से और बिलियम मरांडी को मिर्गी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : बिहार के कटिहार में मंत्रालय शुरू करने के लिए प्रार्थना करें जहाँ सर्वेक्षण किया जा चुका है। फुलबरिया दियारा, सिमारा, बोरटोला, झरनाटोला, रामबुनी महिंदी और बसहा गाँवों में आराधना सेवा के लिए उचित स्थान मिलने के लिए प्रार्थना करें। अजीत हंसदक को लकवा से, करिश्मा बास्की को सिरदर्द से, टेरेसा हसदक को मानसिक बीमारी से और सोनिया मरांडी को श्वेत प्रदर से चंगाई मिले। मिशनरियों और सुसामचार प्रचारकों के परिवारों को गर्मी से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि छात्रावास की छत की जल्द से जल्द मरम्मत हो सके।

पश्चिम बंगाल

बालुरघाट : किंग्सली लिविंगस्टन एवं डेल्फिन

स्तुति : परमेश्वर ने हमें 35 घरों में जाकर परिवारों के लिए प्रार्थना करने में सहायता प्रदान की। गैर–विश्वासियों के कई बच्चों ने भी VBS कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रभु को जानने का अवसर प्राप्त हुआ। नयन हंसदक के परिवार ने खुद को सेवकाई के लिए समर्पित किया है, उन्होंने बालुरघाट क्षेत्र में अपना कार्य क्षेत्र शुरू कर दिया है।

प्रार्थना : कुमारनकांग, बालुरघाट और हिली क्षेत्र में सेवकाई के विस्तार और सफलता के लिए प्रार्थना करें। सुनील, सत्तू मरांडी, बुजी हंसदक, मिस्त्री मुर्मू के लिए प्रार्थना करें कि वे सभी बाधाओं को पार करके उद्धार प्राप्त करें। प्रार्थना करें कि विश्वासियों को अपने गाँव के चर्च में जाने में मेहनती होना चाहिए, और उन्हें शराब की लत से मुक्ति मिले।

इटाहार : अस्ताबन आदित्य कुमार लीमा एवं मानिनी कुमारी

स्तुति : दो व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और कलीसिया में शामिल हो गए। कुशग्राम क्षेत्र में लगभग 500 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। सकला गाँव में स्थानीय प्रचारक के साथ उपवास प्रार्थना आयोजित की गई। इस उपवास प्रार्थना सभा में कई विश्वासी शामिल हुए। इस मिशन क्षेत्र में चर्च के अगुवों के लिए आत्माओं को जीतने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई।

प्रार्थना : निम्नलिखित केंद्रों के लिए जहाँ विश्वासियों की संख्या कम है, और अधिक लोगों को प्रभु की ओर आकर्षित करने के लिए एक आराधना केंद्र स्थापित करने की इच्छा है – कुटपोल, बाबुनी, पटकिया, मसंदबा, दक्किनल और प्रबिका। रूपसल टुडू को उनके मानसिक अवसाद से चंगाई मिले। प्रभु से प्रार्थना करें कि परमेश्वर स्थानीय प्रचारक सुजान हेमरोम और ठाकुर बेसरा तथा मनाली परिवार को संतान सुख प्रदान करें।

तपन : हारामोहन नायक एवं सुसामा पाणि

स्तुति : 8 लोगों ने सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अगीकार करते हुए ईसा मसीह को स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। नक्तगर, नेगम्बा और अनोदी गाँवों में वीबीएस सकार्यक्रम का संचालन किया गया। एक योजनाबद्ध सामूहिक स्तर के सुसमाचार प्रचार में, उपस्थित लोगों के बीच लगभग 500 आध्यात्मिक साहित्य वितरित किए गए। गोपी मुर्मू, जो एक साल से अधिक समय पहले घर से चले गए थे, परिवार की प्रार्थनाओं के उत्तर में अपने परिवार से मिल गए।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पुरुष भी उतनी ही लगन से आराधना सेवा में भाग लें जितनी कि महिलाएं करती हैं। अमित सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें जो एक दशक से अधिक समय से बोलने में असमर्थ हैं। रेणुका टुडू को अत्यधिक रक्तस्राव से मुक्ति चंगाई मिले। परमेश्वर की कृपा से प्रियंका को गर्भधारण करने में मदद मिले क्योंकि वह अपने विवाहित जीवन के 7 वर्षों से निःसंतान है। विश्वासियों के बच्चों के लिए रविवार की कक्षा के प्रभावी संचालन के लिए प्रार्थना करें ताकि छोटे बच्चे हमारे प्रभु के ज्ञान में बढ़ सकें।

जन्मदिन मुबारक

श्री सेल्विन जेसुदास
श्रीमती ज्योति लक्ष्मी इम्मानुएल कार्ति

छत्तीसगढ़

रघुनाथपुर बाल भवन :

लौलिन भुईयाँ एवं किरण

स्तुति : हमारे क्षेत्र के कक्षा 1 से 11 तक के सभी बच्चों ने अपनी अंतिम परीक्षाएं सफलतापूर्वक लिखीं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर कॉलेज में पढ़ने वाली हमारी तीन लड़कियों की रक्षा की जो प्रतिदिन छात्रावास से कॉलेज आती–जाती हैं। लड़कियों को हॉकी और फुटबॉल के साथ–साथ अंग्रेजी भाषा का भी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बच्चों में मसीही धर्म के प्रति आध्यात्मिक आस्था और परिपक्वता विकसित हो। बालिका छात्रावास के लिए एक महिला रसोइया की आवश्यकता है, कृपा प्रार्थना करें। छत की मरम्मत का कार्य पूरा होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि अंबिकापुर में नये छात्रावास के निर्माण के लिए भूमि खरीदी जा सके। हमारे मिशनरियों के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

भैयाथान : थांग चिन लियान एवं वुंग थियान

स्तुति : मिशनरी पर लगाए गए झूठे मामले में ईश्वर की महिमा के लिए अदालत में तीन सुनवाई के बाद आपसी समझौता हुआ। बहारपारा गाँव के विश्वासियों द्वारा हमें दिए गए महान समर्थन के लिएपरमेश्वर को धन्यवाद दें। हमारे कलीसिया का प्राचीन अशोक केरकेट्टा ने अपनी जमीन गिरवी रख कर हमारे मिशनरी को न्यायिक हिरासत से छुड़ाया। पवित्र आत्मा ने हमारे विश्वासियों को पुलिस विभाग द्वारा की गई जाँच के दौरान साहस के साथ सच बोलने में सक्षम सहायता की।

प्रार्थना : गेवारा गाँव में आयोजित मसीही प्रार्थना सभा में घुसकर उसे रोकने वाले कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सच्चे जीवित ईश्वर को खोजने के मिशन कार्य में बाधा बन रहे हैं। हमारे मिशनरी परिवार के रहने के लिए किराए पर एक सुरक्षित घर की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें।

पत्थलगाँव :

पड़वी सोमालिया मनसुभाई एवं शीला बेन

स्तुति : 6 नए लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। रमरापल्ली और ओकाना गाँव में काम करने वाले छोटे प्रार्थना समूहों के दैनिक संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। पहलपुकाना गाँव के मासी जन समूह के लोगों ने चर्च में आना शुरू कर दिया है। 4 अलग–अलग जगहों पर चर्च निर्माण का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कोचल गाँव के चंदन और लक्ष्मण परिवार के लोग मसीही विश्वास में आगे बढ़ें। पक्षाघात से पीड़ित थगीथेन गाँव के मंजुर की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। महिला सभा, विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति सभा, उपवास प्रार्थना और इसी तरह के अन्य नियोजित संवओं के फलदायी संचालन के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सेलिना जॉयस जॉन
श्री कार्तिकेयन एस., श्री. विजयकुमार आर.
श्री बसावाराज के., श्री. भूपति पी.
श्री कृष्ण कुमार, श्री. लुंजालाल सोंगथैट

वटरफ नगर : बूपति एवं पौलिन मैरी

स्तुति : परमेश्वर की कृपा से लावु, ढिमडा और सुरन गाँवों में नए आराधना समूह शुरू किए गए। जादो गाँव के साइमन पथना को जो पैर में फोड़े से पीड़ित थे, जिसके कारण सड़न हो गई और त्वचा प्रत्यारोपण किया गया, चर्च में आए और प्रार्थना की और चमत्कारिक रूप से चंगाई पाया। स्थानीय प्रचारक के रूप में नव नियुक्त संतोष के लिए, जो प्रभु की सेवा करने के अपने आह्वान में वफादार है।

प्रार्थना : नेमरा गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू करने के लिए किए गए प्रयासों को प्रभु आशीष दे। 10 नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे सभी बाधाओं को पार करके अपने विश्वास की सार्वजनिक रूप सं अंगीकार करें और विश्वासियों के समूह में शामिल होने के लिए तैयार हों। उन 40 गाँवों में आगे की सेवकाई के लिए द्वार खुले रहें जहाँ सुसमाचार का प्रचार किया गया है। इन गाँवों में नई आराधना समूह का गठन किया जा सके।

सीतापुर : मुथुकुमार एम. एवंनेत्रावती

स्तुति : 7 लोगों ने प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और कलीसिया में शामिल हो गए। परमेश्वर की कृपा से हम बक्कीपाड़ा, कटकावा, सप्पनिया, राजपट्टा, धाथीपाड़ा और केरशा गाँवों में सुसामचार का प्रचार कर पाए। राजपट्टा और केरशा गाँव में शुरू किए गए नई आराधना समूहों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। गेतगामा गाँव में एक दिवसीय उपवास सभा आयोजित की गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि डराईकांड, परपहाड़ी और कालिया गाँव में बिना किसी बाधा के चर्च निर्माण कार्य आगे बढ़े। प्रार्थना करें कि बहुसंख्यक यादव समुदाय के लोग मसीही कार्य का विरोध करना बंद कर दें। प्रभु यादव समुदाय की उर्मिला को चंगाई दे जो कोमा में है जिससे सुसमाचार के विरोध को रोकने में मदद मिलेगी। शांति कजोरी को गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिले। हड्डियों से संबंधित बीमारी से पीड़ित सिरिया की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

कटघोरा : बलवी दिना धना एवं भुसारे शैला

स्तुति : कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हर 3 महीने में एक बार आयोजित किया जाता है और प्राचीनों को कलीसिया के प्रशासन और आत्माओं को जीतने में प्रशिक्षित किया जा रहा है। पुतिपकना गाँव में ग्लैडविन मेड़ो के घर पर विश्वासियों का एक दिवसीय आध्यात्मिक रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। परमेश्वर ने ग्लैडविन को दिल के दौरे से उबरने में मदद की।

प्रार्थना : बनखेता, पुतिपकाना कलीसिया के 15 परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो RSS के लोगों के आए और लोगों को हिंदू धर्म में वापस लाने के लिए घर वापसी कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें प्रताड़ित किया। बनखेता गाँव में आराधना सेवा रोक दी गई है। 15 परिवारों को ईसाई धर्म छोड़ने की धमकी दी जा रही है। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों पर परमेश्वर का सामर्थ्य उतरे और वे सुरक्षित रहें और विश्वास में दृढ़ बने रहें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती गेत्सिया पॉलराज, श्री जॉन कुमार सी.
श्रीमती सुवेरा मार्था बहेन बोदर

गुजरात

नेतरंग बाल भवन : जोसेफ दुरईराज एवं एलिजाबेथ

स्तुति : कक्षा 12 के 2 छात्रों और कक्षा 10 के 21 छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी बोर्ड परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। 3 दिवसीय VBS कार्यक्रम का आयोजन किया गया था और बहुत से बच्चों ने भाग लेकर आत्मिक रूप से आशीषित हुए। परमेश्वर ने हमें प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक नए वार्डन प्रदान किया। इरोड के प्रार्थना सहायता समूह ने हमें बच्चों को 2 किलोमीटर दूर स्कूल ले जाने और वापस लाने के लिए एक नई स्कूल बस उपहार में दी है। हमारे छात्रावास के भूतपूर्व छात्रों के लिए एक आध्यात्मिक रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 200 परिवारों ने रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया और आशीषित हुए। परमेश्वर ने कनपेड़ा वायरल से पीड़ित हमारे बच्चों को चंगाई दी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि छुट्टियों के दौरान बच्चे अपने पैतृक गाँवों में साक्षी जीवन जी सकें। इस भीषण गर्मी के महीनों में हमारे बच्चों पर ईश्वर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। विकास के स्वास्थ्य के लिए, जिसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया है और आशीष नामक एक होनहार छात्र के लिए प्रार्थना करें जो सिर में बीमारी से पीड़ित है, जिसके कारण वह अक्सर बेहोश हो जाता है और उल्टी करता है। प्रार्थना करें कि छात्रावास परिसर में भोजन कक्ष का निर्माण किया जाए। कक्षा 12 के विद्यार्थियों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने तथा उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रार्थना करें।

बोड़ेली एवं धबोई : येसु बाबू एवं उषा एस.

स्तुति : 2 नए गाँव में 75 नए लोगों ने सुसमाचार सुना। उनमें से 24 ने यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया और उन्हें अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। वागोड़िया और हसना गाँव में हमें सुसमाचार साझा करने का अवसर मिला। हरेश्वर गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू किया गया। कार्नेट गाँव के रविजी भाई के परिवार ने मसीह यीशु में अपना विश्वास किया। प्रभु ने उन्हें एक नया घर बनाने में सहायता की।

प्रार्थना : भील लोगों के लिए आयोजित सम्मेलन में उपस्थित लोगों को परमेश्वर ने आध्यात्मिक आशीष दी। उसी गाँव के आदिवासी युवाओं के लिए आयोजित युवा शिविर में उपस्थित लोगों के जीवन में फल प्राप्त हो। हमारे विश्वासी रीना द्वारा जन्मा बच्चा, जिसके फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी थी और उसे सांस लेने में समस्या थी, उसे चंगाई के लिए कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा।

पुरानी बातें बीत गईं, देखो सब नई हो गईं! (2कुरिन्थियों 5:17)

झारखंड के लालमटिया क्षेत्र के कोमोलडारी गाँव के एक नए विश्वासी पतरस टुडू ने मण्डली में गवाही दी: "मसीह को स्वीकार करने से पहले, हम बहुत गरीबी में रहते थे। हम भोजन के लिए प्रतिदिन संघर्ष करते थे। हमारे खेत में अनाज अक्सर नष्ट हो जाता था, और हमारे मवेशी अक्सर बीमार पड़ जाते थे। हमारे परिवार के कई सदस्य बहुत बीमार थे। हालाँकि, प्रभु को स्वीकार करने के इन चार महीनों के भीतर, परमेश्वर ने हमारे जीवन को पूरी तरह से नया कर दिया है और हमें भरपूर आशीर्वाद दिया है। परमेश्वर की महिमा हो।"

जन्मदिन मुबारक

श्री षणमुगम आर.एस., सुश्री एवलिन पाकिया
श्री महेंद्रन ए.

प्रांतिज एवं डेहेगम :

बिश्वारंजन एवं प्रबीना रानी कराड़ो

स्तुति : मेहतापुरा क्षेत्र में स्थापित नए संपर्कों के लिए दूसरों को सुसमाचार बाँटने में फलदायी हो। वासना गाँव के सोमा को एक गंभीर बीमारी से प्रभु ने चंगाई दी। घनश्याम के पश्चाताप के लिए जो अपने परिवार को बहुत परेशान कर रहा था। वासना गाँव में सुसमाचार सुनने में रुचि दिखाने वाले लोग अपने विश्वास में आगे रहे हैं।

प्रार्थना : पूनम बेन को गठिया के दर्द से चंगाई मिले। जागृति के लिए प्रार्थना करें जो अपनी नौकरी में बहुत सी समस्याओं का सामना कर रही है और उसका समाधान ढूंढ रही है। 6 महीने की बच्ची भावना को गंभीर बीमारी से चंगाई मिले। मीरा बेन और उनके पति के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु के प्रति वफादार रहें क्योंकि उन्हें अपने ईसाई धर्म को त्यागने के लिए दबाव डाला जा रहा है। सलेश और उसकी पत्नी चंद्रिका के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। गीता बेन द्वारा प्रभु में फल लाने के लिए किया गया कार्य फलदायी हो। निरमा और उनके पति के लिए प्रार्थना करें जो हमारे नए संपर्क हैं, प्रभु में आगे बढ़ें।

आह्वा : विग्नेश्वरन एवं एंजेलिन एम.

स्तुति : 4 व्यक्तियों ने प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार किया और परमेश्वर की कृपा से विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। हमारे उन विश्वासियों की चमत्कारी सुरक्षा के लिए जो एक जीप में यात्रा कर रहे थे, जो घाट खंड में दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पलट गई थी। दो युवा नए–नए सेवकाई में शामिल हुए हैं। कोकली गाँव में आयोजित धन्यवाद सभा में भाग लेने वाले कई लोगों को सुसमाचार सुनाया गया।

प्रार्थना : रमेश भाई के लिए जो कुक्कटनागी गाँव में चर्च में प्रार्थना करने आते हैं, ताकि उनकी बीमारी से प्रभु चंगाई दे। वटपाड़ा गाँव के विजय के लिए प्रार्थना करें, कि वह अपने कूल्हे की हड्डी की बीमारी से चंगाई पाए। डुंगरदा गाँव की हमारी विश्वसिनी सोमाबाई के घर पर काला जादू करने वालों को प्रभु स्पर्श करे ताकि वे यीशु मसीह में परमेश्वर के प्रेम का स्वाद चख सकें। प्रार्थना करें कि मोकरा, सिंजपाड़ा, बोमराया और सुंधा गाँवों में चर्च निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के आगे बढ़े।

खेरगम बाल भवन : कुमारन जी. एवं जेलिन जेया प्रथा

स्तुति : क्योंकि उन्होंने हमारे 10वीं और 11वीं के छात्रों को अपनी बोर्ड परीक्षाएँ अच्छी तरह से लिखने में सक्षम बनाया और कक्षा 1 से 9 तक के छोटे बच्चों को उनकी वार्षिक परीक्षाएँ सफलतापूर्वक लिखने में सहायता की। इन बच्चों ने 3 दिवसीय वीबीएस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने आध्यात्मिक जीवन में आशीष पाए। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमारे छात्रावास को इस गर्मी के मौसम में पानी की कमी को दूर करने की कृपा प्रदान करे और हमारे बच्चों को इस भीषण गर्मी में अच्छे स्वास्थ्य प्रदान करे।

प्रार्थना : बोर्ड परीक्षा देने वाले बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे ईश्वर की कृपा से अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। हमारे बच्चे जो छुट्टियों में अपने गाँव वापस चले गए हैं, वे अपने गाँव के चर्च में भाग लें और वरिष्ठ बच्चे कलीसियाई आराधनाओं में सहायता करें। प्रार्थना करें कि प्रभु की कृपा से छात्रावास में नए बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो सके।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मीना किंग्सली इस्साक जॉनसन
श्रीमती प्रबीना रानी बिसवा रंजन
श्री रामासामी वी. जेरोम

मेहसाना :

संभुनाथ नायक एवं राजेश्वरी प्रधान

स्तुति : परमेश्वर की कृपा से पुदेड़ा और प्रगति नगर क्षेत्रों में रात्रि सभाओं का आयोजन सफलतापुर्वक आयोजित किया गया। उंजा समुदाय के 30 लोगों के साथ सुसमाचार साझा करने और उन्हें आध्यात्मिक ग्रंथ वितरित करने में परमेश्वर ने हमारी सहायता की। रवि ने प्रगति नगर में सुसमाचार सभा आयोजित करने के लिए अपने घर के द्वार खोला।

प्रार्थना : उंजा समुदाय के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें। प्रगति नगर के रवि अपने विश्वास में आगे बढ़े। कमलेश और प्रगालथ के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार करें। दावल के लिए प्रार्थना करें कि वह ईश्वरीय तरीके से अपने जीवन साथी की खोज करने में सफल हो।

नसवाड़ी एवं कवंत : **हेनरी सोलोमन एवं एंजेल जेबा**

स्तुति : हमारे विश्वासीगणें ने जो काम के निमित 6 महीने के लिए अपने गाँवों से दूर चले गए थे, वे सुरक्षित वापस आ गए और अपने चर्चों में धन्यवाद की भेंट चढ़ाकर परमेश्वर की महिमा की। तीन नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया जा रहा है। कवंत में 34 लोग और नसवाड़ी में 4 लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और अपने जीवन का उद्धारकर्ता स्वीकार किया। एक युवा सभा में 200 युवाओं ने भाग लिया और उन्हें आशीषित हुए। परमेश्वर ने हमें नसवाड़ी छात्रावास के लिए खरीदी गई भूमि में एक अस्थायी कमरा और साथ ही एक मोटर रूम बनाने में हमारी सहायता की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि एस्तेर बेन, सकली बेन और रवेश भाई को सिकल सेल से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि नसवाड़ी और कवंत फील्ड्स में वी. बी.एस. कार्यक्रम आयोजित किया जा सके। पंजू भाई को लकवा से ठीक होने के चंगाई मिले और यीशु मसीह को ग्रहण करे जो कई वर्षों से पीड़ित हैं क्योंकि हमने उन्हें सुसमाचार सुनाया है। प्रार्थना करें कि पंचायत की ओर से जल्द से जल्द एक छात्रावास बनाने और छात्रावास की भूमि के लिए चारदीवारी बनाने की अनुमति मिले। कटंबड़ी, मालमोविद, कडुमीमोवड़ी और महुदाभारी गाँव में चर्च बनाने की अनुमति प्राप्त हो।

शरीर की सूजन गायब हो गई

छत्तीसगढ़ राज्य के सीतापुर की रहने वाली शांति काजीर को किडनी में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके कारण उनके शरीर में गंभीर सूजन आ गई थी। डॉक्टरों ने उनके ठीक होने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट या डायलिसिस को ही एकमात्र व्यवहार्य उपचार बताया था। हालाँकि, वित्तीय बाधाओं के कारण, वह आगे कोई चिकित्सा उपचार नहीं करवा पाई और घर लौट आई। अपनी स्थिति के बावजूद – पेशाब करने में असमर्थ होना और पूरे शरीर में सूजन का अनुभव करने के बावजूद उसने विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा सांत्वना पाई। विश्वासियों ने, व्यक्तिगत रूप से और उनके बेटे सीरील काजीर के नेतृत्व में फोन कॉल के माध्यम से, उनके चंगाई के लिए प्रार्थना की। चमत्कारिक रूप से, उनकी प्रार्थनाएँ सुनी गईं और शांति ने अपने स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार का अनुभव करना शुरू कर दिया। सूजन कम हो गई और वह अपने दैनिक कार्यों को स्वतंत्र रूप से करने में सक्षम हो गई। उसके स्वास्थ्य में यह उल्लेखनीय बदलाव उसके परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के लिए एक शक्तिशाली गवाही के रूप में काम आया, जिसने विश्वास और प्रार्थना की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर किया। इस चमत्कारी चंगाई के लिए सारी महिमा परमेश्वर को मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री पॉलराज अब्राहम पी.
श्रीमती रस्मिता रानी राउत हेमंता

दादर एवं नगर हवेली (यू.टी.)

सिलवासा : डेविडसन राजसिंह एवं कनमनी परिमालम

स्तुति : 321 लोगों ने सुसमाचार सुना। 8 गाँवों में युवा सम्मेलन और 11 स्थानों पर महिला सम्मेलन तथा स्थानीय प्रचारक परिवार सम्मेलन सफलतापुर्वक संचालन किया गया। इस्माल को सूजन वाली आंतों से चंगाई मिली। परमेश्वर ने कमली बेन और मथिबेन को जहरीले साँप के काटने से बचाया। परमेश्वर की दया से की विवेक को गुर्दे की पथरी से और विनोद को क्षय रोग से चंगाई मिली। परमेश्वर ने कुटली गाँव के विश्वासियों को उनके द्वारा झेले गए उत्पीड़न के बावजूद शांति प्रदान की और उन्हें विश्वास में बनाए रखा।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सूखे की स्थिति से जूझ रहे देवासी गाँव को पीने के लिए पानी मिले। सिक्कलधा गाँव के नरेश भाई को दुष्ट आत्मा के कब्जे से मुक्ति मिले, जिससे उसकी भूख खत्म हो गई है और वह अपने विश्वास से पीछे हट गया है। इल्लुबाई और संगीता बेन को लकवा से चंगाई मिले और शंकर भाई जो पिछले 3 सालों से चलने में असमर्थ है प्रभु उसको चंगाई दे। प्रार्थना करें कि अश्विन भाई की पत्नी को दुष्टात्मा के बंधन छुटकारा मिले।

महाराष्ट्र

चोपड़ा : वसावा भानसिंह एवं महाले येमेन

स्तुति : जब सांघवी गाँव का भरत शराब की लत में डूबा हुआ था और अपने परिवार से अलग हो गया था, तो प्रार्थना में सांत्वना पाने के लिए चर्च आया, तब विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना की। परमेश्वर की कृपा से उसका जीवन बहाल हो गया है। इस गवाही के कारण, सांघवी गाँव के तीन परिवारों ने यीशु में विश्वास किया और चर्च की आराधना सेवा में भाग ले रहे हैं। 5 गाँवों में आयोजित VBS कार्यक्रम में कई गैर– विश्वासियों के बच्चे शामिल हुए। विश्वासियों द्वारा की गई प्रार्थनाओं के उत्तर में, सांघी गाँव का छोटू जो 22 साल से अपने परिवार से अलग था और मन की उलझन में जी रहा था, उसने अपने परिवार के साथ सुलह कर ली है और साथ रहने लगा है।

प्रार्थना : हमारे बाल भवन के छात्र जो छुट्टियों में अपने गाँव वापस चले गए हैं, वे स्थानीय चर्च में उत्साहपूर्वक उपस्थित हों और अपनी मसीही गवाही सुरक्षित रख सकें। काम के लिए दूसरे राज्यों और शहरों में गए हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे सुरक्षित रूप से अपने घर वापस लौट आएँ। प्रार्थना करें कि प्रभु हमारे बाल भवन के लिए एक समर्पित रसोइया उपलब्ध कराए। उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें जो पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन में उद्धार का अनुभव प्राप्त करने के लिए संघी कलीसिया में आने लगे हैं।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेनिला पोन मलर सेलिन
श्रीमती प्रिया हेब्ज़ी

धराणी :

एगलाइवन जेम्स एवं बेरिल

स्तुति : दो व्यक्तियों ने यीशु मसीह को अपना जीवन समर्पित कर दिया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। हमारे स्थानीय प्रचारकों में से एक की छोटी बेटी के हाथ में फ्रैक्चर हो गया था और उसका इलाज किया गया और चंगाई पाई। अपने माता–पिता की लगातार प्रार्थनाओं के उत्तर में, अर्जुन को बुरे चरित्र छुटकारा मिला और मसीह में उसका जीवन बदल गया और प्रार्थना के लिए कलीसिया में आता है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नीमा बेन को गर्दन की सूजन से चंगाई मिले और दर्द कम हो जाए। मुन्नीबाई की आंख की बीमारी से और गणेश को पैर की गंभीर सूजन से चंगाई मिले। प्रभु से प्रार्थना करें कि वह लेकेथ – कविता और नीमा – अर्जुन के परिवारों को संतान की आशीष प्रदान करे।

मुखाड़ा :

शंकर मणि एवं आनन्दी

स्तुति : 110 लोगों ने सत्संग, गृह प्रार्थना सभा और व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से सुसमाचार सुना। 23 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। बोराडी और किलारीपाड़ा गाँव में सुसमाचार की घोषणा की गई। पॉन्डिचापाड़ा गाँव से हमारे सम्पर्क में आए अरविंद परिवार सुसामचार को दूसरों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। परमेश्वर ने कई विश्वासियों को कृषि सरकारी ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया ताकि वे काम में निवेश कर सकें और अपने परिवारों का भरण–पोषण कर सकें। पिन्नूबाई के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो सुसमाचार में रुचि दिखाती है। सोमनाथ और कल्पना को बीमारी से चंगाई मिली और ऐश गाँव की कविता को दुष्ट आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कटकूर कोल्ही समुदाय के अल्पसंख्यक लोग एउद्धार देने वाले विश्वास की ओर आएँ और वे प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें। प्रार्थना समूहों का नेतृत्व करने के लिए महिला प्रार्थना समूह की अगुआ अपनी प्रतिबद्धता में स्थिर रहें। प्रार्थना करें कि प्रभु हमें सेवकाई की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उपयुक्त स्वयंसेवक खोजने में मदद करे। मुखाड़ा के आस–पास के ग्रामीणों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें अज्ञानता, अंधविश्वासों, विश्वासों, व्यसनों और शराब की लत एवं गरीबी से मुक्ति मिले। रायथले क्षेत्र के भटके हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर वापस लौटें। पुनीता के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्री इम्मानुएल कार्ति पी.

बोराडी :

ओम प्रकाश एवं स्वप्ना

स्तुति : लगभग 347 लोगों ने सुसमाचार सुना। उनमें से 3 लोगों ने मसीह को अपना जीवन समर्पित किया और उनके प्रभुत्व को स्वीकार कर लिया। उमरदा गाँव के अनिल बावुरा पर प्रभु की अद्भुत सुरक्षा के लिए, जो यात्रियों को ले जाते समय एक दुर्घटना के करीब पहुँच गए थे। महिलाओं के लिए आयोजित सभा में 55 महिलाओं ने भाग लिया और युवाओं की बैठक में 35 युवाओं ने भाग लिया। सक्करीपाड़ा और कोडिया गाँव के स्थानीय प्रचारकों और विश्वासियों के लिए उपवास प्रार्थना सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थना : प्रभु से प्रार्थना करें कि वे सेवकाई के लिए प्रतिबद्ध स्थानीय कार्यकर्ताओं को खड़ा करें। प्रार्थना करें कि उमरदा चर्च परिसर की दीवार का निर्माण जल्द से जल्द ही पूरा हो सके। प्रमिला को उपयुक्त जीवन साथी मिले। प्रार्थना करें कि लीलाबाई को कान की बीमारी से, जमुबाई और सुबीबाई को मधुमेह से, लक्ष्मी को रीढ़ की हड्डी की बीमारी से चंगाई मिले।

भारे : मायिलसामी जोसेफ एवं येसुमनी टी.

स्तुति : 3 नए गाँवों में 676 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। प्रभु ने वक्थोंड़ और कुटकी गाँवों में सुसमाचार के लिए खुले दरवाजे प्रदान किए। 81 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह पर अपना विश्वास का अंगीकार किया। 6 नए स्थानों पर महिलाओं की प्रार्थना समू शुरू किए गए हैं। सावरपाड़ा गाँव की कृष्णा को उसकी बीमारी से चंगाई मिली जो पिछले 2 वर्षों से मूकबधीर थी। कुकुथेन गाँव की देवीबाई पिछले एक साल से पेट में तेज दर्द से पीड़ित थी। उसकी सारी पूजा– अर्चना बेकार साबित हुई। जब उसने हमारे प्रार्थना सभा में भाग ली और विश्वास के साथ प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसे चंगाई दी। आज उसका पूरा परिवार आराधना में भाग ले रहा है।

प्रार्थना : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वटपाड़ा गाँव में सुसमाचार के लिए खुले दरवाजे उपलब्ध हों। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपनी दैनिक पूजा के लिए बागथ नामक व्यक्ति के पास जाते हैं। जीवित परमेश्वर के सत्य ज्ञान प्राप्त हो और देवीपाड़ा गाँव में होने वाली युवा सभा में कई युवा भाग लें और उद्धार प्राप्त करें।

अक्कलकुवा :

जगमोहन सिंह एवं स्वाति

स्तुति : 9 नए गाँवों में, लगभग 480 लोगों ने सुसमाचार सुना। परमेश्वर की कृपा से जावली गाँव में आराधना सेवा फिर से शुरू हुई जो पहले बन्द थी। 6 गाँवों में चार दिवसीय उपवास प्रार्थना और पूरी रात उपवास प्रार्थना सभा आयोजित की गई और कई विश्वासियों ने उत्साहपूर्वक प्रार्थना की।

प्रार्थना : दशरथ की पत्नी को अष्टम रोग से चंगाई मिले, सीताबाई को मानसिक अवसाद से, अलीलाबेन को पिछले दो वर्षों से लकवाग्रस्त होने का दौरा पड़ा है, विक्रम की पोती को नाक बंद होने की बीमारी से चंगाई मिले। चर्च में आने वाले नए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास करें कि यीशु मसीह ही परमेश्वर और उद्धारकर्ता है। प्रार्थना करें कि 6 जगहों पर आयोजित होने वाले वीबीएस कार्यक्रम में कई बच्चों को आशीष मिले और बच्चे हमारे प्रभु के ज्ञान में बागे बढ़ें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती चार्लेट जेसिंथा सेल्विन
श्रीमती लिली रानी विंसेंट प्रेमराज
श्रीमती लंचिंग एन.

कर्नाटक

मलूर :

किशनता लीमा एवं प्रमिला सिंह

स्तुति : 4 नए गांवों में 260 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। निरन्तर प्रार्थनाओं के माध्यम से, परमेश्वर ने वेदवती को अपने परिवार को चलाने के लिए नौकरी प्रदान की। परमेश्वर की महिमा के लिए अमरेश की शादी समारोह का आयोजन किया गया। परमेश्वर ने कृष्ण की रक्षा की जब वह एक चलती ऑटोरिक्शा से नीचे गिर गया था। उन विश्वासियों की उदारता के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने वित्तीय सहायता देकर एक स्टोर रूम और चर्च में एक डियोड़ी का निर्माण करवाया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बिनोदोमो को सीने की गंभीर सूजन से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि यशवंत नामक एक गैर–विश्वासी को शराब के बंधन से मुक्ति मिले। अनिता नामक एक अच्छी विश्वासिनी जो अपने पति द्वारा लगातार परेशान रहती है, उसे प्रभु में शांति मिले। रत्नामा को फ्रैक्चर से चंगाई मिले और सुषलामा को स्तन कैंसर से चंगाई मिले और कलीसियाई आराधना में भाग ले सके। एक मकान मालिक के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो अपने अधीन काम करने वाले विश्वासी को आराधना सेवा में भाग लेने से रोकता है।

हुबली :

सुनील कुमार एवं संगीता

स्तुति : 118 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया जिनमें से 8 लोगों कलीसिया में मिल गए। प्रभु ने सरस्वती को प्रार्थना के उत्तर में गर्भधारण करने में मदद की, जो अपने विवाहित जीवन के 18 वर्षों से निःसंतान थी। सुभाष की बेटी को दुष्ट आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिली। हमारी विश्वासी गीता ने अपनी बोर्ड परीक्षा में 97% अंक प्राप्त की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे संपर्क में नए आए जादिल को काले जादू और टोने–टोटके के बंधन से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि शंकर को दूसरे बोरवेल में पानी मिले जो पानी की कमी के कारण खोदने जा रहा है। शिवप्पा पर परमेश्वर की दया के लिए प्रार्थना करें जो अपने व्यापार में 3 लाख के नुकसान के कारण मानसिक अवसाद से ग्रस्त है। राजप्पा को भय से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि सावित्री, संगीता, सुशीला, महादेवी और लैथा को गर्भधारण करने में प्रभु सहायता करे और उन्हें सुतान सुख प्राप्त हों। चर्च के प्राचीन बक्कीरासे परिवार की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने बड़े बेटे को दुर्घटना में खो दिया। सोंगामाव की जेल से सुरक्षित रिहाई के लिए प्रार्थना करें। सुशीला को उसके हृदय रोग से मुक्ति मिले। संगीता को थायरॉइड और मधुमेह की बीमारी से मुक्ति चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री डेविड राजासिंह टी.
श्रीमती सेल्वी देवानायगम

गजेन्द्रगढ़ा :

मंजया नायक एवं
लमनी रत्ना

स्तुति : 3 गाँवों कें 350 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। एक व्यक्ति ने यीशु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। रेखा, जिसे पेट की सर्जरी करवाने के लिए कहा गया था, तीन दिन की उपवास प्रार्थना सभा में शामिल हुई और अपनी चंगाई के लिए विश्वास के साथ प्रार्थना की। प्रभु ने उसके विश्वास का सम्मान किया और उसे सर्जरी की आवश्यकता के बिना ही चंगाई प्रदान किया। थिम्मना, जिसकी भूमि के पट्टे ने उसे लंबे समय तक 21 लाख का भुगतान करने से रोक रखा था, उसने परमेश्वर से प्रार्थना की और सारे बाकाया पैसा मिल गया।

प्रार्थना : अप्पामा को उसके लीवर कैंसर से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि अभिषेक अपने माता–पिता का आज्ञाकारी बने। जब चिकित्सा उपचार विफल हो गया, तो परमेश्वर सैत्रव को चंगाई का स्पर्श प्रदान करे। श्रीकांत के 20 लाख के निवेश से शुरू किए गए व्यवसाय को उत्तरोत्तर बढ़ाने के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे उत्पीड़न के बावजूद भी वफादार और आनंदित रहें।

आंध्र प्रदेश

कोथावेरुवु :

देसाई दिलीपभाई एवं
रांधे लक्ष्मीबेन

स्तुति : 3 नए गाँव में सुसमाचार प्रचारा गया और 728 लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना। तीन गाँवों नारेपल्ली, थिरुमालादेवरापल्ली और मायलासमुद्रम में सामूहिक प्रचार और ट्रैक्ट वितरण किया गया। चर्च एल्डर्स ट्रेनिंग सेशन में कलीसिया के 7 अगुवों ने हिस्सा लिया। एक युवा प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें 11 लोगों ने भाग लिया। हर हफ्ते, चेन्नाराजूपल्ली, साईनगर, शेट्टीपल्ली, येरापल्ली और वन्नुरप्पापल्ली गाँवों में रात्रि प्रार्थना सभाएँ आयोजित की जाती हैं। नींद की कमी से पीड़ित एक नया विश्वासी ओबुलामा को कलीसिया में चमत्कारिक रूप चंगाई पाया। आदिदेसु को परमेश्वर ने बाइक दुर्घटना से चमत्कारिक रूप से बचाया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि गोपाल रेड्डी के परिवार यीशु पर विश्वास करें जाए और वे बुरे सपनों से मुक्त हो जाएँ। संजीव कुमार को शराब की लत से मुक्ति मिले। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वे लावण्या को संतान की आशीष दे। ओबुलम्मा को उसकी जांघ की सर्जरी के बाद चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। साईनगर में एक चर्च के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। प्रभावती, अंजिनप्पा, लक्ष्मी नरसम्मा और तृप्ति के परिवारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

जून 29 शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेबथांगम माधवरॉय
श्री पॉलराज पी., श्रीमती सोनिया रानी जेना
श्री वाडेकर दिलीपभाई रंगुभाई
श्री मिंटू कुदुम, श्रीमती मन्ना सिंह

पेनुगोंडा :
गिरिबाबू एवं लूर्धू मैरी

स्तुति : सिट्टीबाबू को सिर और नाक की गंभीर चोट से दैवीय चंगाई मिली अपने घर वापस आ गया। अमरापल्ली गाँव के हमारे नए विश्वासी बूमा की लापता पोती प्रार्थना के उत्तर में घर वापस आई। हमारे पेरियामलाई प्रशिक्षण केंद्र में स्थानीय प्रचारकों को मिशन प्रशिक्षण प्रदान की गई।

प्रार्थना : इस्लामपुरम की ग्रेस के पति के उपचार के लिए प्रार्थना करें जो पक्षाघात से पीड़ित हैं। नागमणि के 7 वर्षीय बेटे की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो हृदय रोग से पीड़ित है, यहाँतक कि स्वयं भी अपने पति द्वारा उसे छोड़ दिए जाने के कारण हृदय की बीमारीसे पीड़ित है। प्रार्थना करें कि ज्योति और नागराज अपने मतभेदों को सुलझाएं और एक परिवार के रूप में शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत करें। हमारी विश्वासिनी मरियम्मा के दैवीय उपचार के लिए प्रार्थना करें जो कैंसर के चौथे चरण से जूझ रही है।

नल्लामदा :
दिनेश मारिया एवं मैरी मुर्मू

स्तुति : परमेश्वर ने हमें 6 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवा पूरी करने में सक्षम बनाया। परमेश्वर की कृपा से रामपुरम में युवा शिविर और नल्लमदा में महिलाओं की सभा आयोजित की गई। गोपीपल्ली गाँव में पहली बार एक गृह प्रार्थना सभा आयोजित की गई। उत्तर में, नल्लमदा की रूथम्मा ने जो 10 वर्षों से अपने पति से अलग रह रही थी, उसके साथ सुलह कर ली और साथ रहने लगी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जयमक्का की भूमि की बिक्री में आने वाली बाधाएँ दूर हों। नल्लासिंगरापल्ली के पुष्पावतिगा और मरियम को दुष्ट आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिले। जीयन, लक्ष्मी, बगियाम, देवी सिंधु और अमरुधा के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं, ताकि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें। परमेश्वर उमा–सोमशंकर के परिवार को संतान की आशीष प्रदान करे जो कई वर्षों तक निःसंतान होकर जीवन जी रहे हैं।

सुरक्षा की प्रार्थना

जगदीश कौर सिट्टारा क्षेत्र में चर्च एल्डर के रूप में काम करते हैं और हरियाणा के रातिया का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद भी हैं। एक दोपहर को जब वह और उनकी पत्नी अपने घर पर प्रार्थना कर रहे थे, तो उन्हें अचानक एक गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी। यह उनके घर की दीवार के ढहने की आवाज थी। तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए, उन्होंने अपने बच्चों को इकट्ठा किया और समय रहते बाहर निकला क्योंकि घर की पूरी संरचना ढह गई थी। समय पर निकासी बहुत महत्वपूर्ण थी, क्योंकि अगर यह घटना रात के समय हुई होती, तो इससे परिवार के लिए दुखद परिणाम हो सकते थे। उन्होंने इस आसन्न खतरे से उनकी रक्षा करने में परमेश्वर के हाथ को पहचाना और एक परिवार के रूप में एक साथ कृतज्ञता की प्रार्थना की, अपने जीवन में परमेश्वर की कृपा और सुरक्षा को स्वीकार किया।

जन्मदिन मुबारक

श्री अज़ारिय्याह राजकुमार, श्री. वेंकटेशन सी. क्रेसेंस
श्री विघ्नेश्वरन एन., श्री. शिशु पाल

पालमनेर :

पौल कुप्पुस्वामी एवं शीला

स्तुति : चिन्नप्पा को उसकी रीढ़ की हड्डी की बीमारी से मुक्ति मिली। सिया जो अपनी दोपहिया वाहन से दुर्घटना होने पर परमेश्वर ने मामूली चोटों के साथ सुरक्षा प्रदान की। मिशन क्षेत्र के सभी चर्चों में बुधवार की उपवास प्रार्थना के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। कृष्णमूर्ति को जो चीनी सीमा पर सेना में काम कर रहे थे, एक वाहन में दुर्घटना का शिकार हुए ईश्वर से दिव्य सुरक्षा मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि महिलाओं और चर्च के अगुवों की प्रशिक्षण सभा सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। वेंकटरमण को शैतान के हमलों और शारीरिक कमजोरी से छुअकारा मिले। प्रार्थना करें कि रूथ के दहेज का मामला सुलझ जाए। हेमलता और आशा की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर की कृपा से रामनप्पा को मदद मिले, जिसने अपनी कई भेड़ों को कुत्ते के काटने और बीमारी के कारण खो दिया। हेप्सी को उसकी बीमारी से मुक्ति मिले और परमेश्वर की दया से रेटिशिया को मस्तिष्क विकास की कमी से छुटकारा मिले।

तमिलनाडु

स्तुति : लगभग 100 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। प्रभु ने सेवकाई के लिए एक नए गाँव में द्वार खोला। उपवास प्रार्थना सभाएँ, महिला सभाएँ, चर्च के अगुवों की सभाएँ सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। जब थिरुपलाबंधल गाँव की परिमाला अब्रास तीव्र पेट दर्द से पीड़ित थी, तो उसने प्रार्थना में प्रभु से प्रार्थना की, प्रभु ने उसे पूरी तरह से चंगा कर दिया। पूरे शरीर में फोड़े से पीड़ित असियाराज को प्रार्थना के द्वारा ही चंगाई मिला। एलामल को परमेश्वर ने उद्धार प्रदान किया और चर्च – विश्वासियों के समूह में शामिल हो गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि एलिजाबेथ के घर का निर्माण कार्य सफलतापुर्वक पूरा हो। प्रार्थना करें कि अलागाम्मल को साँस लेने में हो रही तकलीफ से चंगाई मिले। सोरियाम्मल को सीने के दर्द से चंगाई मिले। शराब की लत में फंसे और अपने परिवार में अशांति फैलाने वाले अरविंद के लिए प्रार्थना करें कि वह हमारे परमेश्वर के प्रेम का अनुभव हो सके। प्रार्थना करें कि उसके पूरे परिवार आराधना में शामिल हों।

अनुवाद सेवा

वर्ली बाइबल अनुवाद : जी. अब्राहम एवं हेमलता

स्तुति : परमेश्वर ने हमें 2 शमूएल की पुस्तक का अनुवाद पूरा करने और यशायाह की पुस्तक का अनुवाद शुरू करने में सहायता की।

प्रार्थना : परमेश्वर हमारे मिशनरियों को स्वर्गीय बुद्धि प्रदान करें ताकि वे भाषा सहायकों की सहायता से अनुवाद कर सकें, उचित शब्दों की पहचान कर सकें और उन्हें स्थान दे सकें, साथ ही परामर्शदाता को मुख्य शब्दों की पूरी तरह से जाँच करने की शक्ति प्रदान करें।

रेव्ह. नाबा हामोम का जन्म 06.02.1988 को मणिपुर के दिनामनी हमोम एवं स्वर्गीय एलंगबाम संध्यारानी देवी के परिवार में हुआ था। वे मूल रूप से हिंदू पृष्ठभूमि से थीं। हालाँकि, जब वे सिर्फ 2 साल के थे, तब उनके माता–पिता ने ईसाई धर्म अपना लिया था। उनके एक भाई और एक बहन हैं। त्रासदी तब हुई जब नाबा की माँ की मृत्यु एक अज्ञात बीमारी से हो गई, जब वह सिर्फ 9 साल के थे, जिससे वे अस्थायी रूप से प्रभु से आध्यात्मिक रूप से दूर हो गए। इस दौरान, उनके दादा, रेव्ह. हमोम बाबू सिंह ने उनके गुरु की भूमिका निभाई और आध्यात्मिक रूप से उनका पालन पोषण किया। इसके बाद उनके पिता ने ओइनम से दोबारा शादी कर ली। लोइदांग देवी और नबा अपने विस्तारित परिवार में चार बेटों और तीन बेटियों में सबसे बड़े थे।

1997–1998 में मणिपुर में बीमारी और चल रहे जातीय संघर्षों के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद, उनका विश्वास अडिग रहा। नाबा ने सन् 2000 में एक वार्षिक सम्मेलन के दौरान अपने आध्यात्मिक जीवन में परिवर्तन का अनुभव किया। उन्होंने आगे धर्मशास्त्र की शिक्षा प्राप्त की, 2005 तक त्रिवेंद्रम बाइबिल कॉलेज से धर्मशास्त्र और बी.टीएच में अपना सर्टिफिकेट कॉर्स पूरा किया। इसके बाद, उन्होंने तीन साल तक मणिपुर के जिरीबाम में न्यू लाइफ मिनिस्ट्री अनाथालय में वार्डन के रूप में सेवा की। यह इस अवधि के दौरान था कि उन्होंने प्रार्थना के माध्यम से मिर्गी से एक चमत्कारिक उपचार का अनुभव किया था जिससे ईश्वर की पूरी निष्ठा से सेवा करने का उनका विश्वास और मजबूत हुआ। सन् 20.06.2011 में, नाबा एक मित्र के माध्यम से एक दिव्य आह्वान महसूस करने के बाद एफ.एम.पी.बी. (मित्र सुसामचार प्रार्थना दल) में शामिल हो गए। पिछले कई वर्षों से उन्होंने पंजाब के बरनाला और संगरूर जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लगन से अपनी सेवाएं दी हैं।

दुलंती रियांग मूल रूप से त्रिपुरा के रहने वाली हैं और उनका जन्म बिरकुमार रियांग और मोंडारी रियांग के परिवार में सन् 15.08.1987 को हुआ था। बहन रियांग पाँच भाई–बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। 12 साल की उम्र में, उसने अपना जीवन परमेश्वर की सेवा में समर्पित कर दिया। बचपन में संडे स्कूल में जाने के बावजूद, रोमियों 6:23 के माध्यम से उद्धार मिलने तक आध्यात्मिक पुर्नजन्म का अनुभव नहीं हुआ। दुलंती ने धर्मशास्त्र का अध्ययन की और उसने बी.टी.एच. और एम.डीव. की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने एक छात्रावास में पादरी के रूप में काम की और अपने समुदाय के भीतर एक स्कूल में पढ़ाने का कार्य भी की। हालाँकि, उन्हें एक मजबूत आह्वान का अनुभव हुआ और मार्गदर्शन के लिए उत्साहपूर्वक प्रार्थना की। ईश्वरीय हस्तक्षेप के माध्यम से, उन्हें रेव्ह. हेलेन सिंगसिट द्वारा FMPB से परिचित कराया गया और अपने माता–पिता की शुरुआती आपत्तियों के बावजूद FMPB में शामिल हो गईं। राष्ट्रीय मिशन संस्थान, झांसी में प्रशिक्षण के बाद उन्हें पंजाब भेजा गया, जहाँ उन्होंने 18.01.2018 को रेव्ह. नाबा हमोम से विवाह कर ली। वर्तमान में, रेव्ह. नबा हमोम और दुलन्ती रियांग पंजाब के बुधलाडा क्षेत्र में लगन से सेवा कर रहे हैं, तथा अपने बढ़ते परिवार, जिसमें उनका बेटा तंगमारहा भी शामिल है, के साथ अपनी सेवकाई को संतुलित बनाए रखे हैं। बड़ा बेटा चारिस हमोम का जन्म 22.03.2019 को और बेटी एडेन हमोम 12.04.2023 को हुआ था। आईए हम अपने इस परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करें ताकि वे अपने विश्वास और सेवा की यात्रा में आगे बढ़ते रहें।

रेव्ह. नाबा हमोम एवं दुलंती रियांग परिवार

निविदा सूचना–कलेण्डर 2025

मित्र सुसामचार प्रार्थना दल वर्ष 2025 के लिए विभिन्न भाषाओं में (संशोधन के अधीन) लगभग दो लाख कैलेंडर मुद्रण के लिए सीलबंद निविदा आमंत्रित करती है ।

कलेण्डर का विशेष विवरण

A.	कैलेंडर का आकार	22" X 17"
B.	पेपर क्वालिटी	130 ग्राम असली विदेशी कला कागज
C.	रंग	सफेद पृष्ठभूमि के साथ चार रंग
D.	पृष्ठों की संख्या	6 शीट आगे पीछे
E.	टिन माउंटिंग	5 मि.मी.

शर्तें

1. प्रिंटर को कैलेंडर कलर में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिए प्रति वर्ष कम से कम 2 लाख की छपाई और सीपीसी मशीन का स्वामित्व।
2. समय सीमा: प्रिंटर को कार्य आदेश दिए जाने की तिथि से 30 दिनों के भीतर काम पूरा करना सुनिश्चित करना चाहिए।
3. प्रत्येक बंडल में 10 कैलेंडर की पैकिंग की जानी चाहिए।
4. बयाना राशि जमा: रु० 1,00,000/–

निविदा कार्यक्रम

निविदा दस्तावेज की आपूर्ति 18.06.2024 शाम 5 बजे तक
जमा करने की तिथि 01.07.2024, सायं 5 बजे तक
खुलने की तिथि 02.07.2024, दोपहर 12 बजे
निविदा दस्तावेज (निःशुल्क) व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं
सचिव संचार, एफ.एम.पी.बी., 29, हाई स्कूल रोड, अंबात्तूर, चेन्नई – 53.
कैलेंडर (रंगीन) मुद्रण में 10 वर्ष का अनुभव होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

डायरी एवं प्लानर के लिए दर

हम 3000 डायरी और 15,000 पॉकेट साइज मासिक नियोजक डायरी 2025 (प्रतियों की संख्या में संशोधन, यदि कोई हो) के लिए कोटेशन आमंत्रित करते हैं।

प्लानर का आकार	6 X 3.5 इंच (रेक्सिंग टाईप)
प्लानर के पृष्ठ	232 पृष्ठ
डायरी का आकार	8.5 X 5.5 इंच
डायरी के पृष्ठ	440 पृष्ठ

कृपया अपने नमूने कोटेशन के साथ 01.07.2024 तक या उससे पहले सीलबंद लिफाफे में कैलेंडर समिति,
एफ.एम.पी.बी., 29, हाई स्कूल रोड, अम्बत्तूर, चेन्नई – 600053.
फोन : 044–26570404 को भेजें

द्वारा प्रकाशित: फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड की ओर से एस. जॉन बर्लिन 29, हाई स्कूल रोड, अंबत्तूर, चेन्नई 600 053. दूरभाष 044–2657 0404 ई–मेल: info@fmpb.org मुद्रित: रासी ग्राफिक्स (पी.) लिमिटेड नं. 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई – 600014। संपादक: एस. जॉन बर्लिन